राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 26 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–331 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नट में पहुंचेंगे दिल्ली से एफिल टावर से 30 गुना क स्टील का इस्तेमाल

ाम। नए साल में देश के ावेटेड अर्बन एक्सप्रेस वे ा एक्सप्रेसवे की सौगात गुरुग्राम-द्वारका एक्सप्रेसवे ोसदी काम पूरा हो चुका है जा रहा है कि जनवरी ाह के अंत तक इस वे को खोल दिया जाएगा। ाष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण आई) इसको शुरू करने से ा ऑडिट रिपोर्ट का इंतजार इसकी रिपोर्ट आने के बाद माह में कभी भी आमजन ोल दिया जाएगा। बता दें ा पहला एलिवेटेड अर्बन वे गुरुग्राम-द्वारका एक्सप्रेस न लंबाई 29 किलोमीटर है ा 18.9 किलोमीटर का याणा यानी गुरुग्राम में आता के डीसी और एनएचआई ारियों ने भी एक्सप्रेसवे का इसे जल्द खोलने के लिए ार कर लिया है। इस पर कुल 9000 करोड़ से लागत आएगी और इस को ों में बांट कर तैयार किया ल्ली में 10 किलोमीटर का ता है। दिल्ली का काम 93 चुका है।

ल टावर से 30 गुना टील का किया गया है

इस एक्सप्रेसवे की की बात करें तो ये देश का ावेटेड अर्बन एक्सप्रेसवे है) लाख मीट्रिक टन स्टील ाल किया गया है, जो कि र के निर्माण की तुलना में अधिक है। इसी तरह से ाण में 20 लाख सीयूएम प्रयोग किया गया है जो कि फा की तुलना में 6 गुना इसके साथ ही निर्माण के हजार वृक्षों का ट्रांसप्लांट गया है जो कि भारत में स्तर पर पहली बार हुआ है। ेसवे नेशनल हाईवे आठ के महिपालपुर में शिव मूर्ति कर गुरुग्राम में खेड़की दौला ा पर खत्म होता है। द्वारका वे के बनने के बाद दिल्ली जाने में केवल 20 से 25 लगेंगे। द्वारका से मानेसर 5 मिनट, मानेसर से इंदिरा ष्ट्रीय हवाई अड्डा तक 20 का से सिंघु बॉर्डर तक 25 मानेसर से सिंघु बॉर्डर तक में लोग सफर कर पाएंगे। ेसवे के बन जाने से जाम मिलेगी ही लोगों का सफर होगा।

'राहुल गांधी साबित करें कि वह हिंदुओं और हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ नहीं'

बीआरएस नेता कविता की चुनौती

नई दिल्ली। डीएमके सांसद दयानिधि मारन के 'हिंदी भाषी' वाले आपत्तिजनक बयान पर हंगामा मचा हुआ है। बीआरएस नेता के कविता ने इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा महज पीआर स्टंट है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि राहुल साबित करें कि वह हिंदुओं और हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ नहीं हैं। कविता ने राहुल से डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की ओर से सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी पर भी बयान देने की मांग की। मालूम हो कि कांग्रेस और डीएमके विपक्षी दलों के गठबंधन INDIA में सहयोगी हैं। कविता ने कहा, यह किसी पार्टी विशेष के विचारों को लेकर नहीं है। बड़ी बात यह है कि इस तरह के बयान हमारे राष्ट्र के ताने-बाने को बिगाड़ने वाले हैं और यह भी देखना चाहिए कि पार्टी विशेष किस गठबंधन का हिस्सा है। यह इंडिया गुट का हिस्सा है, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी की कांग्रेस की ओर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा को लेकर बहुत सारे बयान देते हैं। वह देश को एकजुट करने की कोशिश के बारे में बात करते हैं। अब तो यह सब पीआर स्टंट की तरह लग रहा है क्योंकि उन्हें उस वक्त खड़ा होना चाहिए था और बोलना चाहिए था... जब सनातन धर्म पर टिप्पणी की गई और जिसने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाई।

दयानिधि मारन ने अपने भाषण में क्या कहा

गौरतलब है कि दयानिधि मारन के तमिल में दिए हालिया भाषण को लेकर यह राजनीतिक बवाल खड़ा हुआ। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अंग्रेजी शिक्षा के महत्व पर जोर दिया था। उन्होंने दावा किया कि जो लोग अंग्रेजी में दक्षता हासिल कर लेते हैं, उन्हें बिहार और उत्तर प्रदेश के निवासियों के उलट आईटी सेक्टर में सम्मानजनक नौकरियां मिलती हैं। उन्होंने कहा, %बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग केवल हिंदी जानते हैं और वे शौचालयों और सड़कों की सफाई व निर्माण श्रमिक के रूप में काम करते है। वे इसी लिए तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्यों की ओर आते हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी इस बयान को लेकर मारन की आलोचना की। तेजस्वी ने कहा कि उनकी पार्टी राजद की तरह डीएमके भी ऐसी पार्टी है जो सामाजिक न्याय में विश्वास करती है और ऐसी पार्टी के नेता के लिए इस तरह की टिप्पणी करना अशोभनीय है।

बहराइच में बड़ा हादसा: तेज रफ्तार डबल डेकर और ट्रक की भिड़ंत

तीन की मौत, 25 घायल

बहराइच। गुजरात के राजकोट से बलरामपुर जिले को जा रही एक तेज रफ्तार डबल डेकर बस विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से जा भिड़ी। ट्रक पर चावल लदा था। हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए। इसमें तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि लगभग 25 यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस ने आनन -फानन में घायलों को नजदीक के श्रावस्ती जिले के गिलौला सीएचसी पर भेजा है। एक घायल बच्चे को गिलौला से बहराइच जिला अस्पताल ले जाया गया था जहां से डॉक?टरों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया है। एसपी प्रशांत वर्मा ने बचाव कार्य का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। सोमवार की सुबह लगभग 7:45 बजे देहात कोतवाली के बहराइच बलरामपुर हाईवे के धरसवां गांव के पास बलरामपुर से चावल लादकर बहराइच आ रहा ट्रक बहराइच से बलरामपुर की ओर जा रही डबल डेकर बस से टकरा गया। इस हादसे में तीन मौतों की पुष्टि हुई है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान बस

ड्राइवर देवरिया जिले के गिंदौलिया निवासी पप्पू, श्रावस्ती जिले के इकौना थाने के कबीर नगर निवासी महबूब पुत्र रफीउल्ला, गोंडा जिले के इटियाथोक थाने के धोपतपुर निवासी रामराज पुत्र भोले के रूप में हुई है। मेडिकल कालेज पुलिस चौकी प्रभारी दिवाकर तिवारी ने बताया कि घायलों को नजदीकी सीएचसी भेजा गया है। उनकी पहचान के प्रयास चल रहे हैं। एक घायल देहात कोतवाली के धरसवां के गोबरेपुरवा निवासी 10 वर्षीय सूरज पुत्र मनीराम को गिलौला सीएचसी से बहराइच जिला अस्पताल रेफर किया गया था। मेडिकल कालेज के डॉक?टर डा. मनोज चौधरी ने बताया कि घायल बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई थी। उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर 'अंकुश' लगाने को तैयार हुए अखिलेश, ब्राह्मण सम्मेलन में कर दिया बड़ा ऐलान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की महा ब्राह्मण समाज पंचायत में अखिलेश यादव के सामने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों का मुद्दा उठा। ब्राह्मण नेताओं ने किसी का नाम लिए बगैर अखिलेश से इसकी शिकायत की, साथ ही समझाया कि इससे समाज का एक वर्ग पार्टी से दूर जा रहा है। सपा प्रबुद्ध सभा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में भी कुछ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बिना नाम लिए स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने इस पर रोक लगाने की मांग की थी। महा ब्राह्मण समाज पंचायत में अखिलेश यादव की भी चिंता और विवादित बयानों को लेकर नाराजगी नज़र आई। उन्होंने माना कि किसी धर्म या जाति विशेष पर किसी भी द्वारा टिप्पणी किया जाना कतई उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पर हर हाल में अंकुश लगाया जाएगा। रविवार को लखनऊ में

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कन्नौज के प्रबुद्ध समाज और महा ब्राह्मण समाज पंचायत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि इस प्रवृत्ति पर हर हाल में अंकुश लगाया जाएगा। अखिलेश के सख्त हुए रुख को मिशन-2024 के लिए हर वर्ग को साथ लाने की उनकी कोशिशों की एक कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अब जब लोकसभा चुनाव में चंद महीने ही बचे रह गए हैं तब समाजवादी पार्टी अपने समीकरणों को दुरुस्त करने में जुट गई है। अखिलेश यादव ने पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा दिया हुआ है। इस वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ने की कवायद चल रही है। इसके साथ ही सवर्णों को भी पार्टी से जोड़ने की कोशिश है। इसी कड़ी में अब ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। रविवार को लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर आयोजित महा ब्राह्मण पंचायत के सम्मेलन में पार्टी मुखिया अखिलेश यादव भी शामिल हुए।

बताया जा रहा है कि सम्मेलन में अखिलेश यादव के सामने कुछ नेताओं ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों का मुद्दा जोरशोर से उठाया। स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार विवादित बयान देते रहते हैं। वह रामचरित मानस पर भी ऐसी टिप्पणियां कर चुके हैं जिससे साधु-संन्यासियों और धार्मिक आस्था रखने वाला का एक बड़ा वर्ग उनके खिलाफ हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सपा के ब्राह्मण सम्मेलन में भी जोरशोर से स्वामी प्रसाद मौर्य का मुद्दा उठा। ब्राह्मण समाज के कई नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने नाम लिए बगैर विवादित बयानों पर आपत्ति जताई और इन पर रोक लगाने की मांग की। इस पर अखिलेश यादव ने पदधिकारियों-कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि वह इस पर रोक लगाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि धर्म और जाति को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए।

ोना ने फिर डराया; एक्टिव मामले 4 हजार के पार, ठाणे में नए वैरिएंट के 5 केस और केरल में एक मौत

दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों ने फिर से डराना शुरू कर दिया है। खास तौर से एंट जेएन.1 का सक्रमण बढ़ने से कई राज्यों में बढ़ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के , देश में कोविड-19 के सक्रिय मामलों में जारी है और यह आंकड़ा 4,000 को पार कर बीते 24 घंटे में केरल में कोरोना से एक व्यक्ति की सूचना मिली है। कोविड से देश भर में मरने ी संख्या 5,33,334 हो गई। ताजा आंकड़ों के , सोमवार को कोरोना के एक्टिव केस 4,054 ए जबकि रविवार को यह संख्या 3,742 थी। कोविड-19 के नए वैरिएंट JN.1 का पहला केरल से सामने आया था। यहां बीते दिन सबसे सक्रिय मामले 128 दर्ज किए गए और इसस ल संख्या 3,000 को पार कर गई। स्वास्थ्य के अनुसार, बीते 24 घंटे में 315 कोरोना पीड़ित हुए। कोरोना से ठीक होने वालों की अब तक की ख्या 4 करोड़ 44 लाख से अधिक हो गई है। बता स समय कोरोना से नेशनल रिकवरी रेट 98.81 प्रतिशत है। अगर मृत्य दर की बात करें तो यह अभी 1.18 फीसदी पर है।

ठाणे में कोरोना के नए वैरिएंट के 5 केस

वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में कोरोना के नए वैरिएंट ने चिंता बढ़ा दी है। ठाणे में जेएन.1 के संक्रमण के 5 नए

केस मिले हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 30 नवंबर के बाद से अब तक टेस्ट किए गए 20 सैंपल्स में से 5 पॉजिटिव निकले। संक्रमितों में एक महिला है और इनमें से किसी को भी अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। शहर में अब कोविड-19 के एक्टिव मामले 28 हो गए हैं। इनमें से 2 मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और बाकी लोग घर पर ही रिकवर कर रहे हैं।

क्या भूपेश पर भरोसा खत्म !

लोकसभा चुनाव से पहले क्यों शैलजा की छुट्टी, कैसे बढ़ा पायलट और टीएस का कद?

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 का परिणाम प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के लिए डरावने सपना की तरह है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने कभी नहीं सोचा था कि राज्य से उनकी सत्ता छिन जाएगी। प्रदेश में करारी हार के बाद अब कई तरह से बदलाव छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी के अंदर देखने को मिल रहे हैं। बीते दिनों हुए बदलाव छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की राजनीति कि हवा बदलती हुई दिख रही है। लेकिन इतने दिनों में 5 साल छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल को कोई नया दायित्व नहीं मिला है। ऐसा लग रहा है कि प्रदेश में इन दिनों भूपेश का भरोसा कांग्रेस में नजर नहीं आ रहा है! वही इस बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस

सिंहदेव को लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति में शामिल किया जाना कई तरह के इशारे कर रहा है।? छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सत्ता जाने के बाद विपक्ष का नेता चरण दास महंत को बना दिया गया। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष के रूप में दीपक बैज को यथावत बने रहने दिया गया। लेकिन इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर सब की निगाहें टिकी हुई थी। माना जा रहा था कि भूपेश बघेल को पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर जल्द से जल्द कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है लेकिन ऐसा अब तक नहीं हुआ है। ऐसा लग रहा है मानो प्रदेश में ÷भूपेश है तो भरोसा है÷ की बात कहने वाली कांग्रेस का भरोसा भूपेश से खत्म हो गया है! यही वजह है कि चुनाव में कांग्रेस की सत्ता जाने के बाद 20 दिन से ज्यादा का वक्त बीत चुका है लेकिन भूपेश बघेल को किसी भी बड़ी जिम्मेदारी से अब तक दूर रखा गया है।

चुनाव हारे टीएस को लोकसभा में राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति में शामिल किया है। कांग्रेस पार्टी ने सिंहदेव को शामिल ही नहीं किया है बल्कि बड़ी जिम्मेदारी भी दी है। हालांकि साल 2023 के चुनाव से पहले हलचल यह भी थी कि प्रदेश में अगर दोबारा कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती तो छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में सिंहदेव को मौका भी मिल सकता था। लेकिन प्रदेश में कांग्रेस सत्ता वापसी करने में नाकामयाब रही है। वही सिंहदेव अपना ही चुवाव हार गए। लेकिन हार के बाद भी सिंहदेव को बड़ी? जिम्मेदारी मिलने से पार्टी में कद बढ़ गया है।

डी की ताकत और चुनावी बॉन्ड, चुनावी साल में खास होंगे सुप्रीम कोर्ट के तीन फैसले

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 2024 में तीन आने वाला फैसला देश की राजनीति के अगामी लोकसभा चुनाव को सीधे तौर त कर सकता है। इनमें राजनीतिक दलों ने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई ांड योजना' की संवैधानिक वैधता से ला सबसे महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, देशालय (ईडी) की शक्तियों की समीक्षा म में नागरिकता से संबंधित नागरिकता की धारा 6ए की वैधता से जुड़ा मामला त्री बांड योजना और नागरिकता कानून चिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला खा है, जबकि ईडी की शक्तियों की ो लेकर जनवरी में विस्तार से सुनवाई

चुनावी बांड योजना की वैधता

केंद्र सरकार द्वारा राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए जनवरी, 2018 में शुरू की गई 'चुनावी बांड योजना' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 2 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले पर सबकी निगाहें इसलिए भी टिकी हैं क्योंकि इसका फैसला 2024 के लोकसभा चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की संविधान पीठ के समक्ष याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि राजनीतिक दलों के चंदा देने के लिए शुरू की गई गुमनामी चुनावी बांड योजना

'लोकतंत्र को नष्ट' कर देगी क्योंकि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने योजना को सही बताते हुए कहा कि इसकी शुरुआत राजनीति/चुनाव में काले धन को खत्म करने के लिए शुरू की गई है। केंद्र सरकार ने संविधान पीठ को यह बताया कि लोगों को राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का स्रोत जानने का हक नहीं है।

असम में नागरिकता से जुड़े धारा 6ए की वैधता-असम में नागरिकता से संबंधित मुद्दा हमेशा से चुनाव को प्रभावित करने का मुद्दा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने 12 दिसंबर को असम में 'नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6ए के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 17 याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। धारा 6ए असम समझौते के तहत आने वाले अप्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने से संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, एम.एम. सुंदरेश, जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की संविधान पीठ के समक्ष 'आल असम अहोम एसोसिएशन और अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि धारा 6ए अपने आप में पूरी तरह से अनुचित है। पीठ को बताया गया कि इससे असम के स्थानीय लोगों के रोजगार सहित कई पहलुओं पर प्रभाव पड़ा। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि धारा 6ए भारतीय संविधान के मूल ताने-बाने और प्रस्तावना में निहित धर्मनिरपेक्षता, बंधुत्व और भाईचारे के मूल्यों का उल्लंघन करती है। केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए पीठ के समक्ष स्पष्ट किया कि धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की जांच का नागरिकता अधिनियम में किसी अन्य संशोधन से कोई लेना-देना नहीं है।

ईडी की शक्तियों की समीक्षा

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की विशेष पीठ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अथाह शक्तियों की समीक्षा कर रही है। इस मामले में जनवरी, 2024 में विस्तृत सुनवाई शुरू होगी। इस मामले में आने वाला नतीजा देश की राजनीति को काफी प्रभावित करेगा क्योंकि अभी यह आरोप लगाया जा रहा है कि ईडी का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों को दबाने के लिए किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट उन याचिकाओं पर विचार कर रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तारी, धन शोधन में शामिल संपत्ति की कुर्की, तलाशी और जब्ती सहित ईडी की अन्य शक्तियों को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत ने 24 नवंबर को इस मामले की सुनवाई 8 सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए, जनवरी, 2024 में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। विशेष पीठ ने सुनवाई स्थगित करते हुए सरकार को मामले में दाखिल संशोधित याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना की चिंता

भारत में कोरोना फिर सिर उठाता लग रहा है, तो यह समय चिंता से ज्यादा सजगता का है। भारत में शनिवार को ही कोरोना के मरीजों की संख्या 3,400 के पार चली गई है। एक-एक दिन में 700 से ज्यादा मामलों का सामने आना यह बताता है कि भीड़भाड़ में लोगों को विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत है। काफी दिनों बाद फिर कोरोना से लोगों की जान जाने लगी है। ध्यान रहे, देश में अब तक कोरोना से मौत के दर्ज मामले 5,33,332 हो गए हैं। देश में साढ़े चार करोड़ लोगों को अब तक कोरोना हो चुका है। ज्यादा चिंता कोविड-19 सबवेरिएंट जेएन-1 की है, शनिवार तक इस वायरस से पीड़ितों की संख्या 20 के पार चली गई थी। जाहिर है, स्वास्थ्य विभागों को वायरस को फैलने से रोकने के लिए जरूरी सावधानी बरतने के लिए मजबूर होना पड़ा है। केंद्रीय स्तर पर भी बैठकों का दौर चल रहा है। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों के स्तर पर भी वायरस की निगरानी पहले की तुलना में बढ़ा दी गई है और यह देखा जा रहा है कि वायरस का संचरण कैसे हो रहा है और मुकाबले के लिए किस स्तर के इंतजाम करने पड़ेंगे। वैसे यह अच्छी बात है कि कोरोना के नए सबवेरिएंट के मामले ज्यादा गंभीर नहीं हैं, लेकिन यह माना जा रहा है कि इसका संक्रमण तेजी से हो सकता है। विशेष रूप से पहले से अस्वस्थ लोगों को ज्यादा सावधान रहना होगा। नए कोविड सबवेरिएंट जेएन-1 के मामलों में वृद्धि के बाद, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने कहा है कि लोगों को घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। वैसे यह अनुमान पुराना है कि ऐसे वेरिएंट और लहरें आगे भी आएंगी, पर धीरे-धीरे मृत्यु दर और रुग्णता में कमी आती जाएगी। डेल्टा जैसा खतरनाक वेरिएंट नहीं आएगा, लेकिन बीमारी के वायरस मानव शरीर में मजबूती से जीवित रहने या रूप बदलने की कोशिश करेंगे। ऐसे में, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होगी, जीवन शैली अच्छी होगी, खान-पान सही होगा, ऐसे लोग बीमारी से आसानी से लड़ पाएंगे। यह नया वायरस ओमिक्रॉन वायरस के निकट का बताया जा रहा है और केंद्र सरकार के निर्देश पर अनेक राज्यों में इसके नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। ज्यादा चिंता केरल और कर्नाटक में जताई जा रही है। कोरोना के ताजा आंकड़े भारत में बड़ी चिंता की बात नहीं हैं, वैसे यह ध्यान रखने की बात है कि दुनिया से कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है। हर सप्ताह चार लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और सर्वाधिक खराब स्थिति रूस की है। उसके बाद सिंगापुर और इटली का स्थान है। क्या इन देशों से आने वाले लोगों की विशेष निगरानी की जरूरत नहीं है? एयरपोर्ट पर जांच बढ़ाना गलत नहीं होगा। किसी यात्री को परेशान न किया जाए, लेकिन किसी मरीज को भीड़ में जाने से रोकना सही कदम है। यह बात छिपी नहीं है कि अर्थव्यवस्था में जब तेजी आई है, तो यात्राओं का पुराना दौर लौट आया है और विश्व स्तर पर बड़े पैमाने पर आवागमन हो रहा है। बीमारियों के भारत आने की आशंका भी बढ़ी है। चूंकि भारत यात्राओं का एक बड़ा केंद्र है, अत- यहां सावधानी ज्यादा जरूरी है। किसी भी प्रकार के लॉकडाउन के बारे में अब नहीं सोचा जा सकता, लेकिन सावधानी हमारी आदत में शुमार रहनी चाहिए। कोरोना के ताजा मामले हमारी चिकित्सा व्यवस्था के लिए भी चेतावनी हैं कि हमें हमेशा तैयार रहना होगा और सार्वजनिक चिकित्सा व्यवस्था का चाक-चौबंद रहना ज्यादा जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

परिवार केंद्रित चिकित्सा विधा को बढ़ावा मिले

के.के. तलवार

एक पारिवारिक चिकित्सक (फैमिली डॉक्टर) स्वास्थ्य व्यवस्था का अभिन्न अंग होता है। विगत में, भारतीय परिवार का किसी चिकित्सक से जुड़े होना आम चलन था। वह चिकित्सक उस परिवार को स्वास्थ्य सेवाएं देने के अलावा अक्सर पारिवारिक मसलों में भरोसेयोग्य मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाया करता था। पश्चिमी देशों में, पारिवारिक चिकित्सक आज भी स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। सामान्य चिकित्सक वाली व्यवस्था यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में रीढ़ की हड्डी है, जो स्थानीय निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया करवाती है। भारत में मेडिकल शिक्षा प्राप्त निकले स्नातक शहरों में पारिवारिक चिकित्सकों की भूमिका में हुआ करते थे तो गांवों में यही काम रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर (आरएमपी) का था। मेडिकल जगत में बहुत ज्यादा तरक्की होने के कारण अब किसी पारिवारिक चिकित्सक के पास केवल एमबीबीएस की डिग्री होना माकूल स्वास्थ्य सेवा देने में काफी नहीं माना जाता। इसलिए मरीज अब मामूली बीमारी में भी ज्यादातर विशेषज्ञ डाक्टरों का रुख करते हैं। विशेषज्ञ डॉक्टर की महारत किसी खास विधा या बीमारी में होती है, लेकिन वे अतिरिक्त बीमारियों को संभाल नहीं पाते। मसलन, या तो वे समस्या को समग्रता के परिप्रेक्ष्य में समझ नहीं पाते (जिससे बीमारी कई मर्तबा बहुत गंभीर बन जाती है) या फिर वे मरीज को आगे किसी अन्य विशेषज्ञ के पास भेज देते हैं, लिहाजा इलाज में खर्च बढ़ोतरी हो जाती है। हमें जरूरत है उच्च शिक्षित, उच्च कौशलयुक्त किंतु सामान्य अथवा पारिवारिक चिकित्सकों (फैमिली फिज़िशियन) की, जो फौरी प्राथमिक और यहां तक कि कुछ माध्यमिक स्वास्थ्य जरूरतों में अपने स्तर पर इलाज करने में सक्षम हों। पारिवारिक चिकित्सक से अपेक्षा है कि उसके पास विभिन्न रोगों की समझ हो ताकि हरेक उम्र और बीमारी के मरीज को बृहद स्वास्थ्य देखभाल दे पाए। जरूरत पड़ने पर वह मरीज को संबंधित विशेषज्ञ के पास भेज सकता है। युक्तम स्वास्थ्य देखभाल देने के आलोक में, यथेष्ट मानव-बल और बुनियादी ढांचा का होना जरूरी है। सालों तक, सरकार और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (जो अब नेशनल मेडिकल कमीशन है), दोनों ने अधिक संख्या में मेडिकल कॉलेज सुनिश्चित करने को कदम उठाए हैं। अब इनकी संख्या 700 से अधिक हो गई है, और यह सब मिलकर हर साल एमबीबीएस कोर्स में 1 लाख से अधिक सीटों पर दाखिले की क्षमता रखते हैं। स्नातकोत्तर सीटों की संख्या भी बढ़कर लगभग 70,000 हो गई है। हालांकि, विभिन्न विशेषज्ञ कोर्स में भी सीटों की गिनती बढ़ी है लेकिन एमडी (फैमिली मेडिसिन) कोर्स में सीटें बढ़ाने की कोई कोशिश नहीं की गई। प्रभावशाली वैश्विक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने में पारिवारिक व सामान्य चिकित्सक वर्ग की भूमिका बहुत अहम है, जिससे कि सामान्य किस्म की बीमारी के इलाज के लिए विशेषज्ञों पर बेजा बोझ न पड़े। इसके अलावा, पारिवारिक चिकित्सक जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों के साथ तालमेल बनाकर अपने स्तर पर इलाज कर सकता है। पारिवारिक चिकित्सक विधा (एमडी फैमिली मेडिसिन) में स्नातकोत्तर डिग्री होने की जरूरत का अहसास एमसीआई और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को सालों पहले हो गया था लेकिन दुर्भाग्यवश, इस मामले पर आगे काम नहीं हुआ। यह साल 2021 था जब एमसीआई ने मेडिकल कॉलेजों को फैमिली मेडिसिन विधा में एमडी कोर्स शुरू करने की अनुमति दी। इससे पहले एनबीई ने कुछ अस्पतालों में यह कोर्स चलाने का अनुमोदन कर दिया था। वर्ष 2011-22 के बीच एमसीआई बोर्ड ने इस मुद्दे पर विचार किया और एक सटीक पाठ्यक्रम तैयार करवाया और फैमिली मेडिसिन के लिए आवश्यक न्यूनतम मानकों को तय किया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई। यह सोचा गया कि पहले पहल मेडिसिन विभाग के अध्यापक बतौर समन्वयक पढ़ाई करवाएंगे और एमडी (फैमिली) रेज़िडेंट्स को पढ़ाने में अन्य संबंधित विधाओं के शिक्षकों को भी शामिल किया जाएगा ताकि शुरुआती दौर में अलग से विभाग बनाने की जरूरत न पड़े। यह भी सलाह दी गई कि एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम व पाठ्यक्रम उन एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए हो, जो पांच साल से लगातार इलाज कर रहे हैं जिससे प्रशिक्षण अवधि में अमूमन दो साल बच पाएंगे। ऐसा होने पर, न केवल समाज में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ जाती बल्कि पारिवारिक या सामान्य चिकित्सक रहते हुए, नया कौशल सीखकर उन्हें और अधिक प्रभावशाली इलाज करने की काबिलियत मिल जाती। एनएमसी को अब प्रभावशाली फैमिली मेडिसिन फिज़िशियन बनाने हेतु पाठ्यक्रम और न्यूनतम मानक तय करने पर पुनर्विचार करना चाहिए। अहम यह कि नियामकों को सुनिश्चित करना होगा कि फैमिली मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री हासिल करने वाले को डीएम (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) कोर्स करने में दाखिले की योग्यता खुद-ब-खुद मान्य न होने पाए। अन्यथा, यह प्रावधान एमडी (मेडिसिन) उत्तीर्ण न करने वालों के लिए पिछला रास्ता बन जाएगा क्योंकि एमडी (मेडिसिन) और एमडी (फैमिली मेडिसिन) दो अलग विधाएं हैं और इनका पाठ्यक्रम भी नितांत अहलदा है। इसलिए एमडी (फैमिली मेडिसिन) करने वाले डीएम कोर्स के लिए जरूरी योग्यता मानकों को पूरा नहीं करते। सरकार ने फैमिली मेडिसिन विधा को लोकप्रिय बनाने के लिए सभी नए बने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों को फैमिली मेडिसिन विधा में स्नातकोत्तर कोर्स शुरू करने के लिए कई कदम उठाये हैं। इसी प्रकार, एनएमसी भी मेडिकल कॉलेज़ों को यह कोर्स शुरू करने को प्रोत्साहित करे। एनएमसी कानून में विशेषतौर पर कहा गया है कि स्नातकोत्तर बोर्ड फैमिली मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएशन को बढ़ावा और सहयोग दे। सरकार को भी भारतीय स्वास्थ्य मानकों में सुधार करना होगा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में फैमिली मेडिसिन में स्नातकोत्तर करने वालों के लिए नौकरी के अवसर जोड़ने होंगे। फैमिली मेडिसिन की पढ़ाई चुनने के लिए स्नातकों को प्रोत्साहित करने में यह कदम उठाना बहुत जरूरी है। वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल के हित में इस कोर्स को आकर्षक बनाने के लिए कुछ और कदम उठाने की भी जरूरत है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों या जिला अस्पतालों में एक अलग फैमिली फिज़िशियन होने की जरूरत है। उन्हें अपने सामान्य सरकारी नौकरी के समय के बाद, घर पर फीस के बदले इलाज करने की इज़ाजत देनी चाहिए जिससे परिवारों की निजी स्वास्थ्य जरूरतें फौरन पूरी हो पाएं। वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में, एकीकरण की दिशा में सरकारी फैमिली फिज़िशियनों को कुछ तरीकों से शामिल करके, निजी इलाज सेवाएं मुहैया करवाने में शामिल किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर, विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ समन्वय बनाकर पारिवारिक चिकित्सक विशेषज्ञ स्तर का इलाज और उपचार उपरांत परामर्श दे सकेंगे, जिससे अस्पतालों में जाकर मुआयना करवाने की फेरियां कम हो सकेंगी और व्यवस्था पर बोझ घटेगा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और एनएमसी, दोनों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने में कमी का निदान करने की जरूरत है।

लेखक पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के पूर्व निदेशक हैं।

भारत का खजाना भरते सात समंदर पार बसे भारतीय

(लेखक - आर.के. सिन्हा)

अपने वतन से सात समंदर दूर कामकाज के लिए गए भारतीयों ने देश के खजाने को लबालब भर दिया है। उन्होंने चालू साल 125 बिलियन डॉलर यानी करीब 136 अरब रुपये भारत में भेजे। विश्व बैंक की हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत से बाहर रहने वाले लाखों भारतीयों ने साल 2022 की तुलना में 11 फीसद अधिक धन चालू साल में स्वदेश भेजकर अपने देश से प्रेम का सशक्त परिचय दिया।

भारत के बाद मेक्सिको और चीन को अपने देशवासियों से पैसा मिला। हालांकि, भारत की तुलना में इन दोनों देशों को अपनी आबादी के अनुपात में बहुत कम धन मिला। मेक्सिकों को 67 बिलियन और चीन को मात्र 50 बिलियन डॉलर मिले। बात बहुत साफ है कि संसार के कोने-कोने में रहने वाले भारतीयों ने अपने देश के खजाने को अपने धन से लबालब भर दिया है। यह उनकी अपनी मातृभूमि के प्रति अद्भुत प्रेम दर्शाता है. भारतीय संसार के किसी भी भाग में चल जाएं पर उनकी पहचान भारतीय के रूप में ही होती है। उन्हें भारत से बाहर बसने के सालों, दशकों तो छोड़िए, कई पीढ़ियों के बाद भी भारतीय ही माना जाता है। भारतीय अफ्रीका, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन त्रिनिदाद, गुआना, मारीशस,फिजी आदि देशों में बसने के बाद भी अपने को भारत से कभी दूर नहीं कर पाते। भारतीय अपने खानपान तथा वेशभूषा के स्तर पर भी सदा भारतीय ही बने रहते हैं। दिवाली और होली, रक्षा बंधन, छठ, करवा चौथ, नवरात्र, शादी समारोह आदि अवसरों पर भारतीय महिलाएं आमतौर पर साड़ी ही पहनती हैं। इनके घरों में ज्यादातर भारतीय व्यंजन ही पकते हैं। लेकिन, ये जिस देश में भी जाकर बसे वहां की भाषा, खानपान और वेशभूषा को भी आसानी से अपना लेते हैं। आप रविवार को किसी भी चर्च में जाकर देख लें। वहां पर आपको साड़ी पहन कर आईं मसीही स्त्रियां मिलेंगी। यही दृश्य मंदिरों में भी मिलेगा. यानी वेश-भूषा हरेक भारतीय की एक जैसी ही है। आपको भारतीय खाड़ी के देशों के कठिन हालातों से लेकर अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोप के तमाम देशों में आई टी सेक्टर से लेकर तमाम दूसरे कामों को करते हुए मिलेंगे। चूंकि आमतौर पर भारतीय मितव्ययी होते हैं, इसलिए वे कमाकर पैसा अपने देश भेज देते हैं। जाहिर है, उनके भेजे धन से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। तो कहना होगा कि भारत की मजबूत आर्थिक सेहत के लिए हमारे उन अनाम भारतीयों का भी कम बड़ा योगदान नहीं है जो हर साल भारत में पैसा भेजते हैं। हालांकि आमतौर पर मीडिया में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा या केन्या के हॉकी के महान खिलाड़ी अवतार सिंह सोहल जैसों की ही चर्चा होती है।बेशक, भारत के बाहर बसे सारे भारतीय ही सही माने में हमारे ब्रांड एंबेसेडर भी हैं। इनकी वजह से ही विदेशी मूल के परिवारों में भारत के प्रति और भारतीय रस्म रिवाजों के प्रति झुकाव बढ़ता चला जा रहा है. कल रात मैं दिल्ली में छतरपुर के पास एक विवाह समारोह में गया. लड़का बंगाली है और लड़की आयरिश. लेकिन जब वर-वधु मेरा पैर छूने आये तो साड़ी-गहनों में सजी सिंदूर से मांग भरी लडकी को देखता ही रह गया. मजे की बात तो यह रही की आयरिश दुल्हन को आयरलैंड से आये हुये उनके पिता और लड़की के दो बड़े भाई मुझसे मिलवाने को ले आये. इसी तरह पिछले माह मुझे एक बिहारी लड़के की शादी में आमंत्रित किया गया था जो कि एक आस्ट्रिया की लड़की से शादी कर रहा था. ये सब भारतीयों के प्रति आकर्षण दर्शाती हैं. इन प्रवासी भारतवंशियों के हितों को लेकर केन्द्र और राज्य सरकारों को भी हमेशा नई-नई योजनाओं को लाते रहना चाहिए। उन्हें उनके निवेश पर बेहतर रिटर्न भी दिया जाये, ताकि वे अधिक से अधिक धन देश में भेजते रहें। जिस मुल्क का विदेशी मुद्रा भंडार भरा होता है, वह उतनी ही तेजी से प्रगति की राह पर बढ़ता है। असली बात यह है कि देश में पैसा आना चाहिए। पैसा चाहे अमेरिका की सिलिकॉन वैली में काम करने वाले भारतीय आई टी इंजीनियर भेज रहे हों या फिर दुबई या खाड़ी के किसी भाग में काम करने वाले कुशल- अकुशल मजदूर। भारत में धन की आवक अमेरिका से लेकर खाड़ी देशों में बसे हुए भारतीयों की मार्फत खूब हो रही है। यह तो सबको पता ही है कि भारत के बाहर से पैसा आने से देश में इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर करना संभव हो पाता है और देश का इंफ्रास्ट्रक्चर जितना मजबूत होगा, उतने ही ज्यादा उद्योग-धंधे लगेंगे और रोजगार के अवसर बढेंगें । एक बात समझने की है कि यह भी ध्यान रखा जाए कि भारतवंशियों या प्रवासी भारतीयों (एनआईआई) के लिए भारत एक भौगोलिक वास्तविकता मात्र नहीं है। अगर बात सिखों की करें तो उके लिए भारत तो उनका गुरुघर है। यही स्थिति बौद्धों और जैन धर्मावलम्बियों के साथ भी हैद्ध सनातनी हिंदुओं तो भारत के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं देता है। इसलिए इनकी भारत के प्रति निष्ठा सदैव बनी रहती ही है। भारत सिखों के लिए एक पवित्र भूमि है। शेष भारतवंशियों के संबंध में और भारत में जन्में धर्म मानने वालों के बारे में भी कमोबेश यही कहा जा सकता है। एक बात पर गौर करें कि भारतवंशी विदेशों में बसे चीनियों की तुलना में उन देशों में सियासत भी करते हैं, जहां पर जाकर भारतवंशी बस जाते हैं। यह नए देश की सियासत में आसानी से सक्रिय हो जाते हैं। इधर कुछ सालों में यह भी देखा जा रहा है कि अन्य देशों में बस गए भारतीय किसी एक दल या नेता के साथ नहीं होते। वे लगभग सभी दलों में होते हैं. इसका उदाहरण मारीशस से ले सकते हैं. वहां तो सभी प्रमुख दलों के नेता भी भारतवंशी ही हैं. लघु भारत कहे जाने वाले सूरीनाम में भारतवंशी चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति हैं। संतोखी ने पूर्व सैन्य तानाशाह देसी बॉउटर्स की जगह ली है। संतोखी देश के न्यायमंत्री व प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी (पीआरपी) के नेता रहे हैं। अगर बात ब्रिटेन की मौजूदा संसद की कर लें तो वहां प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के अलावा 15 भारतवंशी सांसद हैं। इनमें से सात कंजरवेटिव पार्टी से और इतने ही लेबर पार्टी से हैं। कनाडा की संसद में भी भारतीय भरे हुए हैं। कनाडा में कुछ हद तक स्थिति अलग है। वहां पर चंद खालिस्तानी तत्व भी भारत को बदनाम करने की लगातार चेष्टा करते रहते हैं। पर भारत को शक्ति मिलती है उन अनाम भारतीयों से जो देश के प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम का परिचय देते रहते हैं मोटा धन अपने वतन में भेजकर। कहना न होगा कि इन भारतीयों पर गर्व है पूरे भारत को और भारतवासियों को ।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं)

विचार मंथन

बढ़ रही कोरोना की तेज रफ्तार रहें होशियार

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

देश भर में एक बार फिर कोरोना दस्तक दे चुका है? लेकिन सच यही है कि कोरोना आने के बाद से ही कभी गया ही नहीं? हां, पाबंदियां हटती गईं और दबा संक्रमण धीरे-धीरे पसरता रहा और हम सब बेफिक्र रहे। देश हो या प्रदेश जिले हों या नगर या गांव हों या पंचायतें लोग इतनी जल्दी उस दर्दनाक मंजर को भूल भी गए जो हफ्ते, महीने दिन नहीं पूरे दो साल तक दुनिया में तबाही मचाता रहा! वो वाकिये भी याद नहीं रहे जो जिन्दगी भर का दर्द दे गए? शायद इसी गलती, चूक या लापरवाही का नतीजा है,जो कोरोना की डरावनी रफ्तार फिर उसी अंदाज में बेखोफ बढ़ती जा रही है। कोविड-19 द्वारा लोगों की जान को लीलना कभी थमा नहीं था। हां, कम या बीच में कुछ वक्त ब्रेक लगने का भ्रम जरूर था। अब दिसंबर आखिरी हफ्ते में आई तेजी ने जनवरी 2020 की याद दिला दी। अभी गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने के मामले ज्यादा नहीं होने के कारण लोग हल्के से ले रहे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि नया वैरिएण्ट जेएन.1 धीरे-धीरे हावी होता जा रहा है जो अधिक संक्रमणीय होकर बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके मुख्य लक्षण मुख्य रूप से बुखार के साथ लगातार या रुक-रुक कर हल्की-तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ या सांस नली में दिक्कत, थकान, मांसपेशियों और शरीर में दर्द के साथ ही सिरदर्द, गले में खराश, नाक बहना या बंद रहना है। ये लक्षण इतने आम होते हैं कि लोग जल्द समझ ही नहीं पाते हैं। इसकी रोकथाम के लिए 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को खुद को संक्रमित होने से बचना-बचाना होगा। विशेषज्ञों ने भी वरिष्ठ नागरिकों को खास एहतियात बरतने की सलाह दी है। इस संक्रमण के ताजे रिसर्च ने सबको हैरान कर दिया है। नया वैरिएण्ट गले को बुरी तरह से प्रभावित करता है जिससे आवाज तक जा सकती है। यह बात भी सामने आई है कि इससे मौतों के बढ़ने के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या में वैसी बढ़ोतरी नहीं हुई, जैसी कि डेल्टा वैरिएण्ट के वक्त थी। लेकिन अब इस संक्रमण से स्वाद और गंध के साथ आवाज जाने की संभावना चिकित्सक बता रहे हैं। एक1 5 साल की एक बच्ची ने इस वायरस के चलते अपनी आवाज गंवा दी, जिसके बाद चिकित्सक काफी गंभीर हैं। इस सच्चाई को स्वीकारना ही होगा कि बीते एक पखवाड़े में इससे भले ही चंद मौतें हुईं लेकिन ये चिंताजनक हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में 24 दिसंबर की सुबह तक 656 केस नए मामले मिले जबकि 23 दिसबंर को 752 मिले थे यह 21 मई, 2023 के बाद अब तकमिले सबसे अधिक हैं। इन मामलों के बाद देश में इस समय कोरोना के सक्रिय मामले 4 हजार के लगभग हो गए हैं। हालांकि पिछले 24 घंटों में केवल एक ही मौत हुई। इधर आंकड़े बताते हैं कि 20 नवंबर से 17 दिसंबर यानी 28 दिनों में विश्व में कोविड के 8.50 लाख से अधिक नए मामले सामने आए और इसी अवधि में इस संक्रमण से 3,000 से अधिक मरीजों की मौतें हुईं। वहीं 17 दिसंबर तक दुनिया भर में कोविड के 77 करोड़ 20लाख से अधिक मामलों की पुष्टि हो चुकी थी। वहीं लगभग 70 लाख मौतें भी दर्ज हो चुकी हैं। ताजे आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में 13 नवंबर से 10 दिसंबर के दौरान 1 लाख 18 हजार से अधिक ऐसे मामले सामने आए जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा तो 1,600 से अधिक को आईसीयू में दाखिल करना पड़ा। इस तरह जो आंकड़े सामने आ रहे हैं वो चिन्ताजनक हैं। जाहिर है यह गंभीर या लगातार खांसी, फ्लू या फेफड़ों से संबंधित ज्यादा पीड़ितों के आंकड़े हैं। वास्तविक आंकड़े इससे कई गुना अधिक होंगे जो इस मुगालते में होंगे कि उनको सर्दी, खांसी या फ्लू जैसी साधारण तकलीफ है। पहले भी यही साधारण बीमारियां असाधारण बन गईं थीं। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में एकाएक5 मरीजों की मौतों से सभी घबरा गए हैं। हालांकि शनिवार को हुई एक मृत्यु के बाददेश में कोरोना से हुई मौतों की संख्या 5,33,333 पहुंच गईइस तरह मामले की मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है जबकि ठीक होने वालों की संख्या 4,44,71,212 हो गई जिससे राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है।आंकड़े और जानकार बताते हैं कि पिछले तीन साल में सर्दियों के दौरान कोरोना बहुत तेज फैला। ठण्ड बढ़ी नहीं कि फिर कोरोना की शह दिखने लगी। कमोवेश वही ट्रेण्ड अभी भी बना हुआ है। इस बार भारत में पहला सब वैरिएंट सिंगापुर से आया तिरुचिरापल्ली निवासी था। 25 अक्टूबर को सिंगापुर लौटा था।

पेटीएम ने इस साल अब तक 1000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

मुंबई । पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने 1000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेटीएम विभिन्न व्यवसायों को फिर से व्यवस्थित करने की प्रक्रिया में है, इसे लिए कंपनी ने इतनी बड़ी छंटनी की है। यानी कि आने वाले महीनों में कंपनी में और अधिक छंटनी हो सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ये छंटनी पिछले कुछ महीने के भीतर हुई है और इसमें पेटीएम की कई यूनिट के कर्मचारी शिकार हुए हैं। पेटीएम की इस छंटनी में उसके पूरे वर्कफोर्स का करीब 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सा प्रभावित होगा। बता दें कि फिनटेक कंपनी में हुई ये छंटनी इस साल डिजिटल कंपनियों में होने वाली सबसे बड़ी छंटनियों में से एक कही जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पेटीएम की पेरेंट कंपनी अधिकतर छंटनी लोन बिजनेस यूनिट से कर सकती है। हालांकि अभी पेटीएम की ओर से इस छंटनी को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं सामने आया है। ऐसा भी माना जा रहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अनसिक्योर्ड लोन पर की गई नियामकीय सख्तियां के कारण पेटीएम पर असर पड़ा है।

गुरुग्राम में शराब की खपत नए उच्च स्तर पर: आबकारी अधिकारी

गुरुग्राम । गुरुग्राम के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में शराब की बिक्री में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। जिले में पिछले छह महीनों में शराब की 1,518 करोड़ रुपये की खपत दर्ज की गई है। यह बात अधिकारियों ने कही। गुरुग्राम आबकारी विभाग द्वारा संकलित नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि जिले में लोग हर महीने 300 करोड़ रुपये की शराब और बीयर पी रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि केवल छह महीने में यह उल्लेखनीय वृद्धि है। उप उत्पाद एवं कराधान आयुक्त (पश्चिम), अमित भाटिया ने मीडिया से कहा कि पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में शराब की बिक्री के साथ जिले में शराब और बीयर की खपत में वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 20 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। उन्होंने कहा कि राजस्व में वृद्धि के कई कारक हैं। इनमें उच्च सामाजिक स्वीकार्यता और उपभोक्ताओं के बीच जीवनस्तर में सुधार शामिल है। इन सबका शराब की बिक्री पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। गुरुग्राम जिले को चार क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, और हाल ही में हुई नीलामी में दिल्ली की नई उत्पाद शुल्क नीति को रद्द किए जाने के बाद ग्राहकों की बढ़ती मांग के कारण कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई, जिससे क्षेत्रों में लाइसेंस शुल्क 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया।

इन्फोसिस के साथ वैश्विक कंपनी ने 1.5 अरब डॉलर का सौदा रद्द किया

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी इन्फोसिस ने कहा है कि एक वैश्विक कंपनी ने उसके साथ 1.5 अरब डॉलर का एक बहुवर्षीय अनुबंध रद्द करने का फैसला कर लिया है। इन्फोसिस ने 14 सितंबर को इन्फोसिस मंचों और एआई (कृत्रिम मेधा) समाधानों की मदद से आधुनिकीकरण और कारोबार परिचालन सेवाओं के साथ उन्नत डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए इस वैश्विक कंपनी के साथ समझौता करने की घोषणा की थी। आईटी कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि वैश्विक कंपनी ने अब समझौता ज्ञापन (एमओयू) को रद्द करने का फैसला किया है और दोनों पक्ष व्यापक समझौते का पालन नहीं करेंगे। आईटी कंपनी ने कहा कि वैश्विक कंपनी के साथ एमओयू होने के बारे में दी गई सूचना के संदर्भ में ताजी जानकारी दी गई है।इन्फोसिस ने पहले कहा था कि इस करार के जरिये लगभग 15 वर्षों में कुल ग्राहक लक्ष्य व्यय 1.5 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

अब मीडिया और एंटरटेनमेंट की दुनिया हिलाने की तैयारी में मुकेश अंबानी!

- रिलायंस दिग्गज कंपनी वॉल्ट डिज्नी के साथ करेगी सौदा

मुंबई । देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी टेलिकॉम के बाद अब मीडिया और एंटरटेनमेंट की दुनिया में तहलका मचाने की तैयारी में हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एंटरटेनमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी वॉल्ट डिज्नी के साथ एक नॉन-बाइंडिंग डील की है। सूत्रों के मुताबिक दोनों कंपनियों के बीच पिछले हफ्ते लंदन में यह डील हुई। दोनों कंपनियों की प्लान देश की सबसे बड़ी मीडिया और एंटरटेनमेंट बिजनस बनाना है। यह मर्जर स्टॉक और कैश में होगा और इसमें रिलायंस की 51 फीसदी और डिज्नी की 49 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इस डील के फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि रिलायंस इसे जनवरी के अंत तक पूरा करना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक लंदन में हुई बैठक में केविन मेयर और मुकेश अंबानी की करीबी मनोज मोदी मौजूद थे। मेयर डिज्नी में काम कर चुके हैं और जुलाई में कंपनी के सीईओ बॉब इग्नर उन्हें एडवाइजर के रूप में वापस लाए थे। जानकारों के मुताबिक डील पर साइन होने के बाद बाकी काम शुरू होगा। इसमें वैल्यूएशन भी शामिल है। ईटी ने सबसे पहले इस प्रस्तावित डील के बारे में 12 दिसंबर को खबर दी थी। स्टार इंडिया के भारत में 77 चैनल और वायकॉम18 के 38 चैनल हैं। कुल मिलाकर दोनों के 115 चैनल हैं। साथ ही इसमें दो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार और जियो सिनेमा शामिल हैं। इस डील में 45 से 60 दिन के एक्सक्लूसिविटी पीरियड हो सकता है जिसे आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है। इस डील के लिए दोनों कंपनियों के बीच कई महीनों से बातचीत चल रही है। डिज्नी इंडिया के प्रवक्ता ने इस बारे में टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। रिलायंस ने भी सवालों का जवाब नहीं दिया।

क्रिसमस पर शेयर बाजार बंद

मुंबई ।

क्रिसमस के अवसर पर सोमवार 25 दिसंबर को शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। इसलिए आज बीएसई और एनएसई पर ट्रेडिंग भी नहीं होगी। इसके अलावा इक्विटी डेरिवेटिव्स, इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स और करेंसी डेरिवेटिव्स का बाजार की भी आज छुट्टी रहेगी। साथ ही सिक्योरिटीज को उधार देना और लेना भी सोमवार को नहीं होगा। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को देसी शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए थे। इस बीच वै श्विक बाजार में मिले-जुले रुझान देखे गए। 22 दिसंबर के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 242 अंक मजबूत हुआ। वहीं निफ्टी में भी 94 अंक की बढ़त दर्ज की गई थी। व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.74 प्रतिशत और 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बेंचमार्क से आगे निकल गए थे। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 241.86 अंक की बढ़त के साथ 71,106.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 94.35 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी 21,349.40 अंक पर बंद हुआ।

भारतीय बासमती का निर्यात हो सकता है महंगा

नई दिल्ली ।

लाल सागर के जल मार्ग से भारतीय उत्पादन और खासकर बासमती चावल का निर्यात कारोबार बड़े पैमाने पर किया जाता है लेकिन इस जल मार्ग पर यमन के हूती समूह के लुटेरों द्वारा मालवाहक समुद्री जहाजों पर हमला करने से यह रास्ता असुरक्षित हो गया है। जिससे भारतीय निर्यातकों को वैकल्पिक मार्गों की खोज करनी पड़ सकती है जो ज्यादा लम्बा और खर्चीला हो सकता है। इस कारण बासमती चावल का निर्यात लगभग 15-20 फीसदी बढ़ने की संभावना है। यदि लम्बे समय तक लाल सागर क्षेत्र में जहाजों का आवागमन बाधित और प्रभावित हुआ तो भारतीय उत्पादों के निर्यात कारोबार पर गहरा असर पड़ सकता है। इसी तरह ईरान द्वारा समर्थित विद्रोहियों के लगातार हमले के कारण इस जलमार्ग से भारत में खासकर पूंजीगत सामानों एवं कच्चे माल का आयात भी प्रभावित होने की आशंका है जिससे बड़ी-बड़ी कंपनियों की कठिनाईयां बढ़ सकती है जो लगातार देश में निवेश बढ़ा रही है। हालांकि भारत में महंगाई की दर पहले से ही काफी ऊंची है। यदि लाल सागर क्षेत्र से आयात-निर्यात प्रभावित हुआ तो महंगाई में और भी इजाफा हो सकता है जिससे आम लोगों के साथ-साथ सरकार की परेशानी भी बढ़ सकती है। हमास के समर्थन में हूती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले कई जहाजों को निशाना बना रहे हैं। बीते एक महीने में हूती विद्रोहियों ने दर्जनभर से अधिक बार व्यापारिक जहाजों पर हमला किया है। इस प्रमुख व्यापारिक मार्ग से अरब, यूरोप, अफ्रीका और भारत भी कारोबार करते हैं। हमले से वैश्विक सप्लाई बाधित होने का खतरा पैदा हो रहा है।

सरकार ने उपभोक्ता आयोगों के लिए ई-जागृति पोर्टल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली।

सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण और शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोगों के लिए ई-जागृति पोर्टल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सुविधा खोल दी है। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में सुविधाओं का शुभारंभ करते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ई-जागृति पोर्टल, एनसीडीआरसी के लिए वीसी सुविधा, एनटीएच में ड्रोन परीक्षण, 17 भाषाओं में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 2.0, भारत सरकार के उपभोक्ताओं की विश्वास बहाली के प्रयासों का उदाहरण है।मंत्री ने उपभोक्ता मामलों के विभाग से जागरुकता फैलाने, विकल्प प्रदान करने, उपभोक्ताओं को कुशल शिकायत निवारण और उनसे निरंतर प्रतिक्रिया प्राप्त करके जागृति को एक जन आंदोलन बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।उन्होंने इस तथ्य की सराहना की कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर प्राप्त कॉलों की संख्या 2013 में 10 हजार से बढ़कर इस वर्ष नवंबर तक 1,32,209 हो गई है। मंत्री ने उपभोक्ता मामलों के विभाग से पुराने लंबित मामलों को पूरी तरह खत्म करने और नए मामलों को अधिक तेजी से और वास्तविक समय में संबोधित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में उपभोक्ता आयोगों के साथ मिलकर रणनीति बनाने का आग्रह किया।हालाँकि, मंत्री ने यह भी आगाह किया कि इस तकनीकी विस्तार के साथ-साथ संबंधित जोखिमों में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, एआई और उपभोक्ता संरक्षण जैसे विषयों के बारे में चल रही बातचीत, जिसमें डार्क पैटर्न का शमन भी शामिल है, एक व्यापक हितधारक चर्चा की अनिवार्यता पर प्रकाश डालता है। गोयल ने उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा हाल ही में जारी डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशानिर्देश, 2023 की सराहना की। 13 विशिष्ट डार्क पैटर्न को रेखांकित करने वाले इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य उपभोक्ताओं के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी बाज़ार को बढ़ावा देना, हेरफेर प्रथाओं को रोकना और विनियमित करना है।गोयल ने नेशनल टेस्ट हाउस और घरेलू उपकरण परीक्षण प्रयोगशाला, मुंबई में ड्रोन प्रमाणन सुविधा और नई प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन किया। मंत्री द्वारा गुवाहाटी में ट्रांसफार्मर परीक्षण सुविधा और जयपुर में जैविक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया गया।आवश्यक वस्तुओं की कीमतों से संबंधित मुद्दों पर बोलते हुए, गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग के सहयोग से सक्रिय उपायों और मौद्रिक तथा राजकोषीय नीतियों को लागू करके, खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलतापूर्वक कामयाबी मिली। मंत्री ने विभाग की सक्रिय पहल की सराहना की जिसमें 140 नए मूल्य निगरानी केंद्रों की स्थापना शामिल है, जिससे कुल 550 मूल्य निगरानी केंद्र बन गए हैं जो सांकेतिक मूल्य की निगरानी और विश्लेषण करते हैं और इस तरह उपभोक्ताओं को खाद्य मुद्रास्फीति से बचाते हैं।उन्होंने सभी उपभोक्ताओं के लिए रियायती मूल्य पर टमाटर और प्याज के साथ-साथ भारत दाल और भारत आटा उपलब्ध कराने में विभाग के हस्तक्षेप का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं को मुद्रास्फीति से बचाने के लिए वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।एनसीडीआरसी के अध्यक्ष अमरेश्वर प्रताप साही ने देश भर में व्यापक उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।

चालू वित्त वर्ष 2023-24 का विनिवेश लक्ष्य फिर चूकने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने आम चुनाव नजदीक आने के साथ ही अपनी निजीकरण कार्रवाई लगभग बंद कर दी है और अब शेयर बाजारों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना है।

कुछ चुनिंदा घरानों को हिस्सेदारी बेचने के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच सरकार ने यह फैसला लिया है। हालांकि इसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष 2023-24 के विनिवेश लक्ष्य से फिर चूकने की आशंका है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) और कॉनकॉर जैसी बड़ी निजीकरण योजनाएं पहले से ही ठंडे बस्ते में हैं। विश्लेषकों का कहना है कि सार्थक निजीकरण अप्रैल, मई के आम चुनाव के बाद ही हो सकता है।

चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 51,000 करोड़ रुपये की बजट राशि में से करीब 10,049 करोड़ रुपये आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) और ओएफएस (बिक्री पेशकश) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए एकत्र किए गए। एससीआई, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, बीईएमएल, एचएलएल लाइफकेयर और आईडीबीआई बैंक सहित कई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) की रणनीतिक बिक्री चालू वित्त वर्ष में पूरी होने वाली है। हालांकि, अधिकांश सीपीएसई के संबंध में मुख्य एवं गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों की विभाजन की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है और वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने में देरी हुई है।

कुल मिलाकर करीब 11 लेनदेन हैं जो वर्तमान में डीआईपीएएम में लंबित हैं। वहीं राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एआई एसेट होल्डिंग लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियां जो अब निजीकृत एयर इंडिया की पूर्व अनुषंगी कंपनियों का स्वामित्व रखती हैं।

इन्हें आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति सैद्धांतिक मंजूरी पहले ही मिल चुकी है, लेकिन डीआईपीएएम द्वारा ईओआई आमंत्रित नहीं किए गए हैं।

छह प्रमुख शहरों में कार्यस्थलों की मांग 92 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । छह प्रमुख शहरों में अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में कार्यस्थलों की मांग 92 प्रतिशत तक बढ़ गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में कार्यस्थल का सकल पट्टा 2.02 करोड़ वर्गफुट रहा, जो पिछले साल समान अवधि में 1.05 करोड़ वर्ग फुट था। दिसंबर तिमाही में भारी मांग आने से 2023 की अवधि में कुल कार्यस्थल पट्टा 16 प्रतिशत बढ़कर 5.82 करोड़ वर्गफुट हो गया। पिछले साल यह 5.03 करोड़ वर्गफुट था। सकल पट्टा आंकड़े में पट्टा नवीनीकरण, पुरानी प्रतिबद्धताओं और सिर्फ आशय पत्र वाले सौदों को शामिल नहीं किया गया है।आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में कार्यस्थल मांग दिसंबर तिमाही में 61 प्रतिशत बढ़कर 31 लाख वर्ग फुट हो गई है, जो पिछले साल समान अवधि में 19 लाख वर्ग फुट थी। बेंगलुरु में किराये पर लिए गए कार्यस्थल का आंकड़ा अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 58 प्रतिशत वृद्धि के साथ 55 लाख वर्ग फुट हो गया जो 2022 की समान तिमाही में 35 लाख वर्ग फुट था। चेन्नई में दिसंबर तिमाही में कार्यस्थल मांग चार गुना से ज्यादा बढ़कर 43 लाख वर्ग फुट हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 10 लाख वर्ग फुट थी। हैदराबाद में दिसंबर तिमाही में कार्यस्थल पट्टे पर लेने का सकल आंकड़ा 57 प्रतिशत बढ़कर 27 लाख वर्गफुट हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 17 लाख वर्ग फुट था।

सहारा निवेशकों को कब मिलेगा पैसा

80,000 करोड़ का दावा, 5000 करोड़ ही मिले

- बाकी के 55,000 करोड़ रुपये कहां गए?

नई दिल्ली।

सहारा रिफंड पोर्टल के जरिए अब निवेशक 19,999 रुपये तक का क्लेम कर सकते हैं। अब तक सहारा के निवेशकों ने करीब 80,000 करोड़ रुपये का क्लेम किया है। सेबी के पास रखे 25,000 करोड़ सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मिले 5,000 करोड़ रुपये निवेशकों को दिए जा रहे हैं। अब सरकार 20,000 करोड़ रुपये और पाने के लिए सरकार सुप्रीम कोरट से गुहार लगाने जा रही है, लेकिन बाकी के 55,000 करोड़ रुपये कहां गए? सहारा क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी 22 राज्यों में है। इसके जरिए चार करोड़ निवेशकों से 47,245 करोड़ रुपये जमा कराए गए। सहारा समूह प्रबंधन ने सहकारी क्षेत्र के इस भारी भरकम धनराशि से 28,170 करोड़ रुपये अपनी महाराष्ट्र स्थित एंबी वैली में लगा दिया। हमारा इंडिया क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की स्थापना 2012 में की गई। इसने अपना कार्य क्षेत्र 15 राज्यों में फैलाया, जहां के 1.8 करोड़ निवेशकों से 12,958 करोड़ रुपये जमा करा लिए गए। इस सोसाइटी के भी 10,255 करोड़ रुपये एंबी वैली में निवेश कर दिया गया। वर्ष 2014 में तीसरी कंपनी सहारयन यूनिवर्सल मल्टी परपज सोसाइटी लिमिटेड की स्थापना की गई। इसे 17 राज्यों तक फैलाया गया। इस सोसाइटी में 3.71 करोड़ लोगों से 18000 करोड़ रुपये जमा कराए गए। सोसाइटी ने इसमें से 17,945 करोड़ रुपये फिर उसी एंबी वैली में झोंक दिया। सहारा समूह ने इसी वर्ष एक और सोसाइटी स्टार मल्टीपरपज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड स्थापित करते हुए उसे 14 राज्यों तक फैला दिया। इस सोसाइटी में 37 लाख निवेशकों से 8,470 करोड़ रुपये जमा कराए गए। इसमें से 6273 करोड़ रुपये फिर एंबी वैली में लगा दिया गया। इस तरह सहारा समूह ने 9.88 करोड़ निवेशकों से जुटाए गए 86,673 करोड़ रुपये में से 62,643 करोड़ रुपये एंबी वैली में लगा दिए।

बता दें कि सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने राज्यसभा में बता चुके हैं कि सरकार सहारा समूह से अधिक धनराशि पाने के लिए वह फिर से सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक तीन करोड़ निवेशकों ने 80,000 करोड़ रुपये वापस पाने के लिए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया है।

हमने 45 दिनों में निवेशकों को पैसा लौटाने की प्रक्रिया शुरू की है। हमें 5,000 करोड़ रुपये मिल गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि (पोर्टल पर) प्रक्रिया से गुजरने वाले सभी निवेशकों को उनका पैसा वापस मिलेगा।

बच्चे के 700 रुपए में थार खरीदने पर आनंद महिंद्रा बोले- ऐसे तो हम कंगाल हो जाएंगे!

मुंबई ।

मशहूर उद्योगपति और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहते है। उन्हें लोगों की मदद और दान देने के लिए जाना जाता है। कई बार उन्होंने तस्वीर और वीडियो देखकर लोगों को महिंद्रा की कारें तक दान की हैं। मगर इस बार वह चाहकर भी वह एक प्यारे बच्चे की मदद नहीं कर पाए। उन्होंने 700 रुपये में महिंद्रा की एसयूवी थार देने से इनकार कर दिया। उन्होंने लिखा कि मुझे भी इस बच्चे से प्यार है। मगर, कार दूंगा तो जल्दी कंगाल हो जाऊंगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर चीकू यादव नाम के बच्चे का वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो को देखकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान फैल गई है। इसमें चीकू यादव नाम का बच्चा अपने पिता से थार को 700 रुपये में खरीदने पर चर्चा कर रहा है। इसमें बच्चा कह रहा है कि थार और एक्सयूवी 700 एक ही कार हैं और इन्हें 700 रुपये में खरीदा जा सकता है। पिता उसको समझाने की कोशिश कर रहा है कि थार और एक्सयूवी 700 को 700 रुपये में नहीं खरीदा जा सकता। मगर बच्चा अड़ा रहता है। इस वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके हैं। किसी ने यह वीडियो क्लिप आनंद महिंद्रा को भेज दी। वह इससे बहुत खुश हुए और उन्होंने एक्स अकाउंट पर यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि हम बहुत जल्द कंगाल हो जाएंगे। वह लिखते हैं कि मेरी दोस्त सोनी तारापोरवाला ने मुझे यह वीडियो भेजा है। मुझे भी इस बच्चे से प्यार है। मगर मेरी एक ही समस्या है कि अगर मैंने यह दावा मान लिया और 700 रुपये में थार बेच दी तो हम बहुत जल्दी कंगाल हो जाएंगे। आनंद महिंद्रा ने इस पोस्ट पर आए कमेंट का भी रोचक जवाब दिया।

एक व्यक्ति ने जब लिखा कि सर जब यह 18 का हो जाए तो एक थार तो बनती है। इस पर महिंद्रा ने लिखा कि चलो ठीक है पर आपने सोचा तब मेरी उम्र क्या होगी। एक अन्य यूजर ने लिखा कि इस बच्चे को थार और एक्सयूवी 700 का ब्रांड एम्बेसडर बना दीजिए।

बीएसएनएल के 2,999 प्लान में अतिरिक्त मिलेगी 30 दिन की वैधता

साल 2024 में बस एक बार कराना होगा मोबाइल रिचार्ज

नई दिल्ली ।

सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल अपने प्रीपेड प्लान्स से निजी दूरसंचार कंपनियों की परेशानी बढ़ा रही है। कंपनी हर तरह के प्रीपेड प्लान ऑफर कर रही है। बीएसएनएल ऐनुअल प्लान्स लाने पर विचार कर रही है। बीएसएनएल का यह प्लान 365 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान के साथ कंपनी खास ऑफर में एक महीने की एक्स्ट्रा वैलिडिटी भी दे रही है। प्लान में आपको इंटरनेट यूज करने के लिए हर दिन 3जीबी डेटा मिलेगा। बीएसएनएल इस प्लान में रोज 100 फ्री एसएमएस के साथ सभी नेटवर्क्स के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग भी दे रही है। कंपनी इस प्लान में किसी तरह का कोई अडिशनल बेनिफिट नहीं दे रही है। बीएसएनएल के इस प्लान में आपको एक साल की वैलिडिटी मिलेगी। कंपनी का यह प्लान कई शानदार बेनिफिट के साथ आता है। इसमें आपको इंटरनेट यूज करने के लिए हर दिन 2जीबी डेटा मिलेगा। डेटा लिमिट खत्म होने के बाद प्लान में मिलने वाली इंटरनेट स्पीड घट कर 40केबीपीएस की हो जाएगी। यह प्लान देश भर में सभी नेटवर्क्स के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग देता है। इसमें आपको हर दिन 100 फ्री एसएमएस भी मिलेंगे। प्लान में कंपनी 30 दिन के लिए इरोज नाउ एंटरटेनमेंट और लोकधुन का सब्सक्रिप्शन भी ऑफर कर रही है।

क्रिसमस पर कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

देश में सोमवार को क्रिसमस का त्योहार मनाया जा रहा है। तेल कंपनियों ने कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ बदलाव किए हैं। देश के चार महानगरों नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चैन्नई में पेट्रोल और डीजल की कीमत जस के तस बनी हुई है। गौरतलब है कि तेल कंपनियां प्रे ति दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करती है। जिससे कुछ शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कुछ पैसों का बदलाव जरूर देखा जा सकता है। देश के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार है- नोएडा पेट्रोल 96.58 रुपये प्रति लीटर, डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम पेट्रोल 96.93 रुपये प्रति लीटर, डीजल 89.84 रुपये प्रति लीटर, पटना पेट्रोल 108.12 रुपये प्रति लीटर, डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर, चैन्नई पेट्रोल 102.74 रुपये प्रति लीटर, डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ पेट्रोल 96.74 रुपये प्रति लीटर, डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से, जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारतीय टीम मंगलवार को बाक्सिंग डे पर यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने आज तक दक्षिण अफ्रीका में कोई सीरीज नहीं जीती है। भारतीय टीम ने अपने इस दौरे मे यहां एकदिवसीय सीरीज जीती है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसका भी भारतीय टीम को लाभ होगा। भारतीय टीम ने अब तक साल 1992 से लेकर दक्षिण अफ्रीका में आठ सीरीज खेलीं हैं पर उसे एक में भी जीत नहीं मिली। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम यहां सीरीज में जीत दर्ज कर एक अहम उपलब्धि हासिल करना चाहेगी। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होने के कारण भी अहम है। इस मैच में बारिश की आशंका है और अगर ऐसा हुआ तो तेज गेंदबाज मैच पर हावी हो जाएंगे और बल्लेबाजों के लिए खेलना कठिन हो जाएगा।

सेंचुरियन के मैदान पर पिच से तेजी और असमान उछाल मिलती है जिसमें बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। ऐसे में यहां भारतीय बल्लेबाजों को संयम से खेलना होगा। रोहित के पास ये सीरीज जीतकर दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने वाला पहला भारतीय कप्तान बनने का ये अच्छा अवसर है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले भारतीय टीम को मोहम्मद अजहरुद्दीन , सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की कप्तानी में हुए दौरों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली की कप्तान में भारतीय टीम को यहां टेस्ट में तो जीत मिली पर सीरीज भारतीय टीम हार गयी। विराट कोहली सहित कुछ अनुभवी क्रिकेटरों का यह दक्षिण अफ्रीका का अंतिम दौरा हो सकता है और ऐसे में वे यहां बेहतर प्रदर्शन में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर टेम्बा बावुमा की कप्तानी में उतर रही मेजबान दक्षिण अफ्रीका को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसके पास कैसिगो रबाना और लुंगी एनगिडी सहित कुछ अच्छे तेज गेंदबाज हैं जो भारतीय बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल सकते हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की

असली परीक्षा कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और गेराल्ड कोएत्ज़ी जैसे गेंदबाजों के सामने होगी। वहीं इसी प्रकार शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे युवा बल्लेबाजों को भी कठिन हालातों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहना होगा।

वहीं शॉर्ट पिच गेंद अय्यर की कमजोरी मानी जाती रही हैं और उन्हें इससे पार पाने के लिए विशेष प्रयास करना होगा। वहीं मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि यशस्वी और शुभमन अपनी शैली में बदलाव न करते हुए हालातों के अनुसार बल्लेबाजी करें। द्रविड़ ने कहा, 'हम खिलाड़ियों को उस तरीके से खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिसमें वह सहज महसूस करते हैं पर उनको परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। दक्षिण अफ्रीका में उन्हें एक रणनीति के तहत उतरना होगा।

भारत टीम का प्रदर्शन कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली के अलावा उसपर अधारित करेगा कि टीम अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी को कैसे पूरा करती है। शमी की जगह मुकेश कुमार या प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को अवसर मिल सकता है।

वहीं मेजबान टीम के पास बावुमा, डीन एल्गर, स्टाइलिश एडेन मार्कराम, युवा टोनी डी जोरजी और कीगन पीटरसन जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं जिनपर भारतीय गेंदबाजों को अंकुश लगाना होगा। एल्गर इस सीरीज के बाद संन्यास लेंगे। इसलिए वह इसमें अहम भूमिका निभाना चाहेंगे। इस मैच में केएल राहुल के पास ही विकेटकीपर की जिम्मेदारी रहेगी। अब देखना है कि वह टेस्ट में विकेटकीपिंग करते हुए कितने सफल रहते हैं। इस मैच में अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को शायद ही अवसर मिले क्योंकि इस पिच पर तेज गेंदबाजों को ही अधिक अवसर मिलता है।

पेशेवर खिलाड़ी निराशा से जल्द से जल्द उबरने की कला जानते हैं : द्रविड़

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिग डे पर शुरु रहे टेस्ट मैच से पहले कहा कि पेशेवर खिलाड़ी निराशा से जल्द से जल्द उबरने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं। द्रविड़ ने ये बात ऑस्ट्रेलिया के हाथों विश्व कप फाइनल में मिली हार को लेकर कही क्योंकि केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी उसे मैच के बाद पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरेंगे। द्रविड़ ने कहा कि वह दिल तोड़ने वाली हार थी पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपको तेजी से आगे बढ़ना पड़ता है और हमारे सामने एक और अहम श्रृंखला है और यह सभी श्रृंखलाएं आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने को लेकर अहम होती हैं।द्रविड़ के अनुसार फाइनल की हार को स्वीकार करना आसान नहीं है पर सभी खिलाड़ी जानते हैं कि उसी को लेकर बैठने से आने वाले समय में परेशानियां बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि आपके पास निराशा में डूबे रहने के लिए समय नहीं होता। आपको उससे उबरकर आगे बढ़ना होता है और हमारे खिलाड़ियों ने ऐसा बहुत अच्छी तरह से किया है। हम निराश थे पर अब हम उससे आगे बढ़ गये हैं। मुझे लगता है कि हमारी एकदिवसी टीम ने इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन किया है।

द्रविड़ ने कहा कि खिलाड़ी निराशा से उबरकर आगे बढ़ने में कुशल होते हैं क्योंकि उन्हें बचपन से ही ऐसा करना सिखाया जाता है। आपको इससे बाहर निकलना होता है क्योंकि आप लंबे समय तक निराशा के साथ नहीं जी सकते हैं। भारतीय टीम ने आज तक दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और ऐसे में भारतीय टीम को लक्ष्य यहां जीत दर्ज करना रहेगा। द्रविड़ ने साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीका के विकेट इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में अलग होते हैं। इसलिए टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा कि आंकड़ों के लिहाज से देखें तो यहां खेलना आसान नहीं होता है पर हमने यहां पूर्व में अच्छा प्रदर्शन भी किया है।

मोहम्मद शमी के रिप्लेसमेंट पर बावुमा परेशान, जो आएगा टेंशन ही देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा मोहम्मद शमी के रिपेलेसमेंट को लेकर काफी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि शमी की जगह जो भी आएगा, वह टेंशन ही देगा। गौरतलब है कि बावुमा ने भारत के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया की जमकर तारीफ की है। इस तारीफ में कहीं ना कहीं थोड़ा डर भी दिखाई दे रहा है। बावुमा का कहना है कि इस सीरीज में जरूर भारत को मोहम्मद शमी की कमी खेलेगी, मगर जो भी खिलाड़ी उन्हें प्लेइंग 11 में रिप्लेस करेगा वो साउथ अफ्रीका को परेशान कर सकता है। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एड़ी की चोट के कारण मंगलवार, 26 दिसंबर से सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। शमी की जगह प्रसिद्ध कृष्णा या मुकेश कुमार को अंतिम प्लेइंग 11 में शामिल किया जा सकता है। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब बावुमा से शमी की अनुपस्थिति के प्रभाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा क्रिकेटर के रूप में आप सर्वश्रेष्ठ का सामना करना चाहते हैं और मोहम्मद शमी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं और हममें से अधिकांश लोग उनका मुकाबला करने के लिए उत्सुक होंगे। लेकिन भारत तो भारत है, और उनके पास जो गहराई है, आपको भरोसा करना होगा कि जो भी आएगा वह आप पर दबाव डालेगा। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू परिस्थितियों के कारण, हम अपनी टीम के फायदे को समझते हैं, आप हमसे बेहतर अनुकूलन की उम्मीद करेंगे मगर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है, भले ही इसमें जाहिर तौर पर शमी नहीं हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट: भारत की वनडे और टी20 स्क्वॉड का ऐलान

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के बीच 28 दिसंबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज होगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज भी खेली जाएगी। वहीं बीसीसीआई ने सोमवार को वनडे और टी20 के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान किया है।

महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के तीन वनडे और तीन टी20 मैचों के लिए भारत की टीम की घोषणी की है। इस दौरान टी20 और वनडे में हरमनप्रीत कौर ही टीम की कप्तानी निभाएंगी। जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तानी करेंगी। दोनों सीरीज में ज्यादातर खिलाड़ी एक ही हैं। स्नेह राणा और हरलीन देओल वनडे स्क्वॉड में हैं लेकिन उन्हें टी20 में मौका नहीं दिया गया है।

कनिका आहूजा और मिन्नू मणि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलेंगी लेकिन वह वनडे स्क्वॉड में शामिल नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की वनडे टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया, रिचा घोष (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेनुका सिंह ठाकुर, तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, हरलीन देओल।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की टी20 टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया, रिचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयसंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेनुका सिंह ठाकुर, तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि।

फीफा की ब्राजील फुटबाल परिसंघ को धमकी, ...तो कर सकते हैं निलंबित

रियो डी जनेरियो ।विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने ब्राजील को चेतावनी दी है कि अगर उसकी फुटबॉल संस्था के हस्तक्षेप के कारण जनवरी में नए अध्यक्ष का चुनाव होता है तो वह उसकी राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से निलंबित कर सकता है। फीफा ने ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) को पत्र लिखकर कहा है कि अगर उसने इंतजार करने की

उसकी अपील पर ध्यान देने के बजाय एडनाल्डो रोड्रिग्स की जगह नए अध्यक्ष का चयन करने के लिए चुनाव कराने में जल्दबाजी दिखाई तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ सकता है।रियो डी जनेरियो की एक अदालत ने पिछले साल फुटबॉल संस्था के चुनाव में अनियमितताओं के कारण रोड्रिग्स और सीबीएफ में उनके द्वारा नियुक्त सभी लोगों को सात दिसंबर को पद से हटा दिया था।ब्राजील की दो सर्वोच्च अदालतों ने पिछले सप्ताह इस फैसले को बरकरार रखा।फीफा अपने सदस्य संघों के कामकाज में सरकार या किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता है और इसलिए पांच बार के विश्व कप विजेता ब्राजील को समस्या का समाधान होने तक प्रमुख प्रतियोगिताओं से बाहर रहना पड़ सकता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोहित को बदलनी होगी अपनी शैली : गावस्कर

नई दिल्ली । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को अपनी शैली बदलनी होगी। रोहित अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं।विश्वकप में भी उन्होंने आक्रामक तरीके से ही खेला था पर गावस्कर का मानना है कि इस सीरीज में उन्हें अपनी शैली में बदलाव के लिए मानसिक रुप से तैयार रहना होगा।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है, यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होने के कारण भी अहम है।गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा ने एकदिवसीय विश्व कप में आक्रामक रवैया अपनाया पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में उनको अपनी इस शैली में बदलाव करना होगा। रोहित विश्व कप फाइनल के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। रोहित ने लगता है कि विश्वकप में मिली हार की निराशा को पीछे छोड़ दिया है क्योंकि वह टेस्ट की तैयारी में मग्न दिखे। विश्वकप में रोहित ने आक्रामक अंदाज में पारी शुरु की थी। तब उन्होंने निडर क्रिकेट खेला और विपक्षी गेंदबाजों पर शुरू से प्रहार किया लेकिन गावस्कर को लगता है कि रोहित को दक्षिण अफ्रीका में लाल कूकाबुरा गेंद के खिलाफ अपनी शैली को बदलना होगा।गावस्कर ने कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण चुनौती अपनी मानसिक स्थिति को टेस्ट मैच की स्थिति में लाना होगा। उन्होंने साथ ही कहा वह एकदिवसीय फॉर्मेट में बल्लेबाजी कर रहे थे, जहां उन्होंने फैसला किया था कि वह आक्रामक भूमिका निभाएंगे और पहले 10 ओवरों में जितना संभव हो उतना स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे। हमने विश्व कप में यह देखा। विश्व कप के लिए उनका दृष्टिकोण सही था पर टेस्ट क्रिकेट के लिए उन्हें अपना रुख पूरी तरह से बदलना होगा क्योंकि उन्हें पूरे दिन बल्लेबाजी के संदर्भ में सोचना होगा।

दूसरे टेस्ट के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न (एजेंसी)। पहले टेस्ट में जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम मंगलवार से यहां पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में बड़ी जीत दर्ज की थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके साथ ही यहां उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। वहीं अपने खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान पाक टीम इस मैच से सीरीज में वापसी करना चाहेगी जो उसके लिए बेहद कठिन है। पाक टीम पिछले 28 साल से ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पायी है। इसके अलावा टीम के बल्लेबाज भी अब तक असफल रहे हैं। टीम की तेज गेंदबाजी भी पहले जैसी नहीं है। तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद के बाद

स्पिनर नोमान अली भी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को टीम में लिया गया है। नोमान से पहले खुर्रम 'स्ट्रेस फैक्चर के कारण सीरीज से बाहर हो गए थे। उन्होंने पिछले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और 128 रन देकर 5 विकेट लिए थे। लेग स्पिनर अबरार अहमद भी पांव की चोट के कारण बाहर हो गए हैं।

वहीं तेज गेंदबाज नसीम शाह के चोटिल होने के कारण पाक का गेंदबाजी आक्रमण पहले ही कमजोर था जो अब और कमजोर हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 360 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी और ऐसे में उसे इस मैच में भी जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं मेजबान टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज लय में हैं जिसका उसे लाभ मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया दूसरे मैच में भी पहले टेस्ट मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम को ही उतारेगा जबकि पाकिस्तान की अंतिम एकादश में बदलाव तय हैं।

पाक तेज गेंदबाजी के गिरते स्तर से वकार निराश

लाहौर।पाकिस्तान के पूर्व महान तेज गेंदबाज वकार यूनिस टीम के तेज गेंदबाजी स्तर के लगातार नीचे जाने से निराश हैं।वकार ने कहा कि टीम के गेंदबाजों की रफ्तार लगातार घटती जा रही है।इसी कारण वे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये।इसी कारण पाक टीम को पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 360 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था।इस मैच में पाक की ओर से शाहीन शाह

अफरीदी, खुर्रम शहजाद, आमिर जमाल और फहीम अशरफ ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी। उन्होंने कुछ हद तक अपनी गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रोका पर वह उन्हें अपनी गति से परेशान नहीं कर पाये।कोई भी गेंदबाज टेस्ट में लगातार 140 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की गति से गेंद नहीं फेंक पाया। वकार ने पाक गेंदबाजों की गति को मध्यम गति बताया।उन्होंने कहा कि एक और चीज जिसकी मुझे चिंता है, वह यह है कि जब भी हम ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो हमें तेज गेंदबाजी उत्साहित करती है। लेकिन इस बार वह दिख नहीं रही है।मैं मध्यम गति के गेंदबाज या धीमी-मध्यम गति के गेंदबाज, ऑलराउंडर्स देख रहा हूं, कोई वास्तविक तेज गति नहीं है।पहले लोग हमारे तेज गेंदबाजों को 150 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते देखते थे।लेकिन इस बार मैं ऐसा नहीं देख रहा।वकार ने कहा कि यह मेरी चिंता का कारण है क्योंकि मैंने इसे घरेलू स्तर पर भी तेज गेंदबाजी नहीं देखी है।मैं समझ सकता हूं, लेकिन अतीत में, आपने हमेशा तेज गेंदबाजों की एक सीरीज देखी थी पर बदकिस्मती से अब ऐसा नहीं है।वकार ने शाहीन की गति में कमी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि अगर उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो उन्हें मध्यम तेज गेंदबाज बनने के बजाय कुछ समय लेने और उन्हें ठीक करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में निश्चित नहीं हूं कि उसके साथ क्या गलत हुआ है।वकार ने कहा कि अगर वह फिट नहीं है, अगर उसे कुछ समस्याएं हैं, तो उसे खेल से दूर जाने और उसे ठीक करने की जरूरत है क्योंकि अगर आप इसी तरह जारी रखेंगे तो आप मध्यम गति के गेंदबाज बन जाएंगे।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ को निलंबित कर सकता है एफआईएच

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) निलंबित कर सकता है क्योंकि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर द्वारा पीएचएफ के नए अध्यक्ष की नियुक्ति को उनके पूर्ववर्ती खालिद सज्जाद खोकर ने चुनौती दी है। खोकर 2015 से पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह अपनी बर्खास्तगी और मीर तारिक हुसैन बुगाटी के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को चुनौती देंगे।

खोकर ने कहा, 'मैं अदालत की शरण में जाऊंगा और जब तक यह असंवैधानिक और गैर कानूनी फैसला नहीं बदला जाता, तब तक हार नहीं मानूंगा।% उन्होंने कहा, 'मैं टकराव से बचना चाहता था लेकिन मुझे अब आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) और एफआईएच के पास जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।% अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ नई नियुक्ति को सरकारी हस्तक्षेप मानकर पीएचएफ को निलंबित कर सकता है।

भारतीय टीम के नेट अभ्यास सत्र में रोहित और विराट में दिखी दूरियां

सेंचुरियन ।भारत ओर दक्षिण अफ्रीका के बीच मंगलवार से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच शुरु हो रहा है जिसके लिए दोनो ही टीमें तैयारियों में लगी हैं। इस मुकाबले को लेकर भारतीय टीम ने जमकर नेट अभ्यास किया।अभ्यास के दौरान कप्तान रोहित शर्मा ओर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली में दूरियां नजर आयीं।इन दोनो को एक बार भी अभ्यास के दौरान बातचीत करते नहीं देखा गया। भारतीय क्रिकेट टीम 31 साल से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है और अपने करियर के अंतिम पड़ाव में चल रहे कोहली और रोहित यहां जीत चाहेंगे पर इसमें दोनो के बीच संवादहीनता की कमी आड़े आ सकती है। कोहली परिवार के साथ छोटे ब्रेक के बाद लंदन से दक्षिण अफ्रीका पहुंचे हैं। वहीं रोहित अभ्यास के दौरान थोड़े सहज दिखे। इन दोनो ने अलग अलग नेट और मध्य पिच पर अभ्यास किया। एक घंटे से ज्यादा समय तक थ्रो-डाउन का सामना भी किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच कोई बातचीत नहीं हुई जबकि दोनों ने बीच-बीच में छोटे ब्रेक भी लिए। वहीं विश्वकप के दौरान इन दोनो को अभ्यास के दौरान हंसी मजाक भी करते देखा गया था। अभ्यास सत्र में कोच राहुल द्रविड़ भी उपस्थित थे। सभी खिलाड़ियों ने तीन घंटे तक कड़ा अभ्यास किया। रोहित ने अश्विन की गेंद को स्वीप कर दिखाया कि जहां तक ओपनर का संबंध है तो उनमें कुछ नहीं बदला है। इसी दौरान कोहली भी आ गए और उन्होंने कोच द्रविड़ से कुछ बातचीत की। कुछ देर बाद कोहली भी पैड पहनकर थ्रो-डाउन नेट पर आ गए जहां रोहित और यशस्वी जायसवाल भी कुछ देर में पहुंच गए। रोहित ने अपने युवा सलामी जोड़ीदार से पूछा, 'तुझको पहले जाना है कि मैं जाऊं।' इसके बाद थ्रोडाउन विशेषज्ञ दयानंद ने रोहित को गेंदबाजी शुरु कर दी।

साल 2023 में भी भारतीय टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना अधूरा रहा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए साल 2023 भी कुछ खास नहीं रहा और टीम एक भी आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2013 में आईसीसी खिताब जीता था। उसके बाद से ही पिछले एक दशक से उसका आईसीसी खिताब जीतने का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। भारतीय टीम इस साल एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी पर उसके हाथ से खिताब निकल गया था। इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में भी टीम खिताब के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी।अंतिम बार भारतीय टीम ने साल 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में एकदिवसीय विश्व कप जीता था। इसके बाद 2013 में उसने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद टीम एक भी आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी।

भारतीय टीम ने साल 2014 में धोनी की कप्तानी में ही बांग्लादेश में आयोजित टी20 विश्व कप 2014 फाइनल में प्रवेश किया। ग्रुप स्टेज में भारत ने सभी मैचों में जीत हासिल की। फाइनल में उसे श्रीलंका से 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं साल 2015 आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2015 में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया पर फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया ने हार का सामना करना पड़ा। वहीं साल 2016 टी20 विश्व कप में एक बार फिर भारतीय टीम को निराशा मिली। इस बार वेस्टइंडीज ने खिताब जीता।

साल 2017 में विराट कोहली को कप्तान बनाया गया। टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज के मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर जीत के साथ शुरुआत की। भारत ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में प्रवेश किया पर भारत को फाइनल में पाकिस्तान ने 180 रन से हरा दिया। वहीं 2019 एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

2021 टी20 विश्वकप में भी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम इसमें सेमीफाइनल में भी प्रवेश नहीं कर पायी। 2021 में भारत ने डब्ल्यूटीसी 2019-2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से हुआ पर उसे हार का सामना करना पड़ा। 2022 में भारतीय टीम के पास चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर आईसीसी खिताब जीतने का एक और अवसर था पर उसे असफलता मिली। इसके बाद 2021-23 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत का मुकाबा ऑस्ट्रेलिया से हुआ जिसमें उसे हार मिली। इसके बाद साल 2023 के एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम ने सभी मुकाबले जीते पर उसे फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

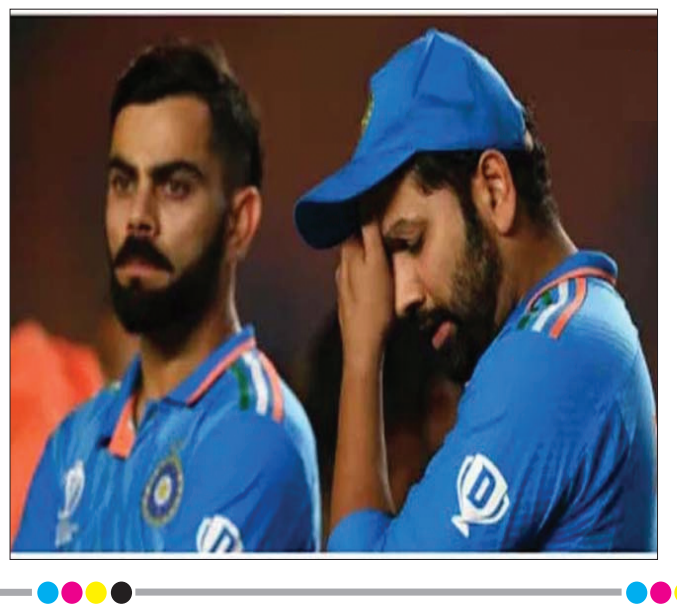

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मां, बेटी एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं।

मां-बेटी का रिश्ता है सबसे खास

मां, बेटी की हर जरूरत को समझती है। उसकी परेशानियां, खुशियां, इच्छाओं को भला मां से बेहतर कौन जानेगा? पर ऐसा नहीं है कि बेटी इस मामले में कहीं पीछे हैं। वे भी मां की परछाई ही होती हैं। मां का सबसे ज्यादा ख्याल बेटी ही रखती है। दरअसल ये एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं। बस जरूरत है दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखने की-

माएं ये ध्यान रखें

- आप पढ़ाई में अव्वल रही होंगी, पर बेटी को अपना उदाहरण देकर उसके मन में असंतोष को जन्म न दें। उसकी कक्षा की कुछ लड़कियां भी उससे पढ़ाई में आगे हो सकती हैं, उनसे तुलना न करें। हर बच्चा अपने में असाधारण हैं। तुलना उसके मन में नाराजगी और कुंठा को जन्म दे सकती है।
- सिर्फ पढ़ाई पर जोर नहीं होना चाहिये। उसके व्यक्तित्व के बहुआयामों को समझने के लिये उसे हर विधा आजमाने का मौका जरूर दें। नृत्य, संगीत, कला, खेल। आप तो उसके अंदर छुपे कलाकार से चमत्कृत हो ही जाएंगी, आप उसे भी अनगिनत खुशियां दे पाएंगी।
- उसकी भी समस्याएं हैं, पर समस्याओं को समस्या कहकर न पूछें। 'आज क्या-क्या हुआ' पूछ कर आप पूरे दिन की जानकारी रुचिपूर्वक सुनें। इतना थोड़ा सा समय देकर आप शायद उसकी सबसे अच्छी मित्र बन जाती हैं। साथ ही मित्रों से, टीचर्स के साथ आप उसके रिश्तों को भी पहचान पाती हैं, जो आज बहुत जरूरी है। यदि बच्चों की पूरी दिनचर्या को मां एकाग्रचित्त हो कर सुनें तो कई बार उनके बाल जीवन की परेशानियों और संभावित दुर्घटनाओं को रोक सकती हैं।
- बेटी से नाराज होकर कभी भी सार्वजनिक स्थल पर या घर के अंदर भी अतिथियों के सामने उस पर अपना रोष व्यक्त न करें। आप उसे अपनी नाराजगी का अहसास फिर कभी करवा सकती हैं, जैसे बातचीत सीमित करके या स्पष्ट रूप से, पर शांतिपूर्वक अपनी बात कहकर।
- आपका दिमाग कभी-कभी बड़ा अशांत हो उठता है, घर या बाहर की परिस्थितियों से। अपनी परिस्थितियों में घुटिये नहीं, बल्कि बिटिया को साझी बनाइये। परिस्थितियां बदल तो नहीं जाएंगी, पर उसका साथ आपमें एक नई हिम्मत और ऊर्जा देगा। बेटी के लिये मां से ऊंचा कोई दूसरा आदर्श नहीं होता, इसलिए मां को कभी भी स्थितियों से हार नहीं माननी चाहिये, क्योंकि वही संदेश आपकी बेटी ग्रहण करेगी। आपका दृष्टिकोण ही उसका जिन्दगी के प्रति नजरिया तय करेगा।

बेटी का फर्ज है ये..

- मां, घर में रहें या बाहर, वह दिन भर काम ही करती हैं। ऐसे में यदि बिटिया अपने हाथों से मां को चाय की प्याली या जूस का गिलास पकड़ाए, तो मां का मन खुश हो उठता है।
- आपको स्कूल में या कॉलेज में एक वातावरण मिलता है, उसका अपना असर होता है, जबकि घर में मां कुछ दूसरी बात कहती नजर आती है, ऐसे में सामंजस्य मुश्किल हो जाता है। पर ध्यान रहे कि मां के ऊपर आप अपना गुस्सा न निकालें। मां को समझाइये कि क्यों आप मां का चाहा या सोचा नहीं कर पा रहीं। ज्यादा उम्मीद है कि मां आपकी बात समझ जाये और अपनी इच्छा न मनवाये।
- कभी-कभी मां को ऑरगेनाइज होने में मदद करिए। यदि मां की छोटी-छोटी चीजें उनके डॉक्युमेन्ट्स आप संभाल कर फोल्डर में रख दें और मां को उनकी याद दिला दें, तो मां को बहुत तसल्ली और सुकून मिलेगा।
- अपनी समस्यायें, उलझनें मां से कभी न छुपायें। मां भी तो उम्र के इस दौर से गुजर चुकी हैं, जिससे आप गुजर रही हैं। जिंदगी से तब वो कैसे रूबरू हुई थीं, आप उनके अनुभवों से सीख सकती हैं। मां को यदि आपने सब बातों से वाकिफ रखा, तो कोई समस्या या व्यक्ति आपको परेशानी में नहीं डाल सकता।
- मां को उनके बीते दिनों की याद ताजा करवायें। उनके पुराने मित्रों के फोन नम्बर खोज कर मां को दें। गुजरे हुये दिन शायद मां के सबसे अच्छे दिन रहे हों। मां को भी अहसास होगा कि उसकी बिटिया उससे अलग नहीं, बल्कि उसकी प्रतिमूर्ति है, मन ही मन वह आपकी कृतज्ञ रहेगी और आपका यह कदम आप दोनों को और भी जोड़ेगा।

जब घर से ही शुरू हो प्रोफेशनल लाइफ

नौकरी छोड़कर घर से ही काम शुरू करने का निर्णय लेना आसान काम नहीं है। आपमें से कई ऐसा करना चाहती होंगी और कई कर भी चुकी होंगी। पर इस कठिन निर्णय को अपनाने से पहले आपको कई बातों का ध्यान रखना होगा।

मैं हमेशा से चाहती थी, मेरी एक ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट हो। सारा काम लैपटॉप और फोन के सहारे बढ़े, न ही कोई खास जगह की जरूरत और न ही किसी के लिए नौकरी करने की। मेरा करियर तो बस मेरे हाथ में होगा।'

30 साल की श्वेता ने दो महीने पहले अपनी वेबसाइट लॉन्च के मौके पर दोस्तों से वही सब कहा जो वह सालों से चाहती थी। पर अपना यह सपना पूरा करने के लिए उसने अपने पहले सपने को पीछे छोड़ दिया। सपना नौकरी करने का, जी हां, घर से अपना काम शुरू करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी। पर श्वेता मानती हैं नौकरी छोड़ घर से कोई भी काम करने से पहले बहुत सी चीजों के लिए खुद को तैयार कर लेना चाहिए। क्योंकि नौकरी छोड़ते ही जिंदगी में अचानक से बहुत कुछ बदल जाता है। सबसे पहली चीज तो लाइफस्टाइल ही होती है। और क्या-क्या रखें याद, आइए जानते हैं-

खुद से पूछें कुछ सवाल

नौकरी छोड़ कर घर से काम शुरू करने का निर्णय छोटा नहीं है। याद रखना होगा आप अपने निर्णय में सफल नहीं हुईं तो दोबारा सफलता की सीढियां आपके रास्ते में यों ही नहीं आ जाएंगी। तो रास्ता बदलने से पहले खुद से कुछ सवाल जरूर पूछें, जैसे

क्या ऑफिस के माहौल को छोड़ अकेले घर पर बैठकर खुद के लिए काम करने के लिए आप तैयार हैं?

क्या जो काम आप घर से शुरू करने जा रही हैं, उसे करने के निर्णय पर आप लंबे समय तक टिकी रह पाएंगी?

काम से जुड़ी सारी जानकारी आपके पास है या पहले ट्रेनिंग लेना सही रहेगा?

आपके मनपसंद काम को आपके आसपास वालों द्वारा सराहे जाने की संभावना कितनी है?

घर से काम करने पर भी परिवार आपके प्रोफेशन को नौकरी जितनी ही महत्ता देगा या नहीं?

करना क्या है?

क्या करना है और कैसे करना है? इस सवाल का जवाब आपके पास होना चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया की एक साफ तसवीर आपके दिमाग में होगी, तो आपका मन इस पर आसानी से फोकस भी कर पाएगा।

दिक्कतों से होगा सामना

घर से काम करने में भी आपको चुनौतियों का सामना करना होगा, इसलिए इनसे निपटने का फुलप्रूफ प्लान आपके पास होना चाहिए। यह बहुत साफ सी बात है कि दिक्कतें तो हर काम में आती ही हैं, पर इनसे बखूबी निपटने वाले ही सफल होते हैं। अगर आपने अपने काम पर पूरी रिसर्च की होगी ,तो आपको दिक्कतों का अंदाजा तो होगा ही। मतलब किस स्थिति में कैसी दिक्कत आ सकती है, यह आप जानती होंगी। अगर नहीं, तो इसकी जानकारी जरूर लें और इनसे निपटने के विकल्पों पर भी पहले से गौर कर लें।

आर्थिक रूप से सक्षम हैं ना?

आप सालों से कमा रही हैं। हर महीने कमाई का बड़ा हिस्सा भविष्य के लिए जमा कर रही थीं। पर क्या यह इतना है कि आगे का एक बड़ा समय ठीक से, आसानी से बिना किसी आर्थिक किल्लत के कट जाए? सवाल के जवाब में अगर आप हां कहती हैं, तो ठीक है। पर जवाब न है, तो नौकरी छोड़ कर घर से काम करने के फैसले पर जरा दोबारा विचार कर लीजिए। यह जरूरी नहीं है कि नए काम में कमाई तुरंत ही होने लगे।

शुरू में ही न करें बड़ा निवेश

भले ही आपने एक अच्छी राशि भविष्य के लिए रख ली है, पर याद रखें कि शुरुआत में ही एक बड़ी राशि अपने नए काम में निवेश न करें। यह एक बड़ा रिस्क हो सकता है। अगर परिणाम नकारात्मक हुआ तो आपको निराशा तो होगी ही, पैसा डूबेगा वो अलग।

जान-पहचान तो हैं ना?

आपने जिस भी काम को घर से करने के बारे में सोचा है उससे जुड़े लोगों से आपकी जान-पहचान तो है ना? मतलब काम शुरू करने के पहले आपको पूरी तरह से तैयारी करनी होगी। नौकरी छोड़ने के बाद अगर जीरो लेवल से काम शुरू करेंगी तो आपको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

धैर्य से दोस्ती कर लीजिए

खुद को इतना बड़ा ब्रेक देने से पहले आपको धैर्यवान बन जाना होगा। हालांकि अच्छे की आशा करनी चाहिए, पर बुरे समय या अच्छे समय के इंतजार के लिए तैयार रहना ही समझदारी है। कुछ ही दिनों में आपके धैर्य की परीक्षा भी होगी, पर सफल होना है, तो इस धैर्य का दामन आपको थामकर रखना होगा।

अगर असफल रहीं तो

अगर एक नया काम शुरू कर रही हैं तो सफलता और असफलता दोनों की ही संभावना बराबर की है। इसलिए अगर असफल रहीं तो क्या करेंगी, यह जरूर सोच लें। प्लान बी आपके पास पहले से तैयार रहेगा तो आप आनेवाली चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगी।

तुम अपने दोस्त जितने अच्छे क्यों नहीं!

दूसरे बच्चों के साथ तुलना करने के चक्कर में अक्सर माता-पिता अपने बच्चे को निकम्मा, नकारा व नासमझ घोषित करने में लगे रहते हैं, इस बात की परवाह किए बिना कि उनके ये ताने बच्चे के आत्मविश्वास पर क्या असर डालते हैं।

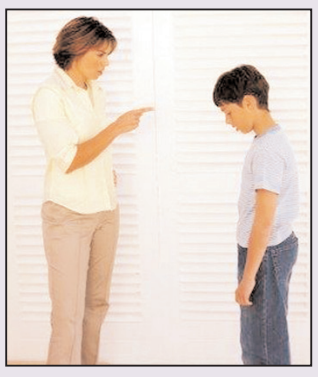

रीटा अपने आठ साल के बेटे मोंटू को छोटी-छोटी बातों पर डांटती रहती है। उसके नंबर कम आते हैं तो वह कहती है, 'तुम जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे। दूसरे बच्चों को देखो कितने अच्छे अंक लाते हैं। मोंटू के हाथ से कभी कोई गिलास या कप गिर जाता है तो रीटा उसे डांटते हुए कहती है, 'तुम एक काम ठीक से नहीं कर सकते।' इस प्रक्रिया में रीटा कभी यह सोचने की कोशिश नहीं करती कि मोंटू की मानसिकता पर इन सबका क्या असर पड़ता है। वह बस यही चाहती है कि उसका बच्चा उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरे और हर चीज में परफेक्ट हो। रीटा की अपेक्षाएं भी कम नहीं हैं। वह चाहती है कि उनका बेटा स्कूल में टॉपर हो और खेलों में चैम्पियन। पर क्या इस तरह के दबावों और नकारात्मक माहौल में बच्चा सचमुच बेहतर काम कर सकता है? जवाब होगा नहीं।

कहीं आपकी अपेक्षाएं तो ज्यादा नहीं!

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ अरुणा कहती हैं, 'बच्चों के साथ इस तरह का नकारात्मक व्यवहार करने से उनकी मनःस्थिति पर बुरा असर पड़ता है। वे अपने माता पिता से नफरत करना शुरू कर देते हैं। बच्चे सोचते हैं कि हम कुछ भी कर लें लेकिन माता पिता को हमें दोष देना ही है, फिर कुछ करने का फायदा क्या है। साथ-साथ बच्चों में यह धारणा भी पुख्ता होने लगती है कि वे सचमुच जीवन में कुछ नहीं कर पायेंगे। उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है। बच्चे खुद को हीन समझने लगते हैं। इन सबका प्रभाव बच्चे में अवसाद, गुस्सा और नर्वसनेस के रूप में दिखने लगता है, जो उनके पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।'

विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता बस यही चाहते हैं कि बच्चे उनकी अपेक्षाओं और सपनों को पूरा करें। अभिभावक ये भी नहीं सोचते कि उन्हें बच्चे की योग्यता के अनुसार ही उससे कुछ अपेक्षा रखनी चाहिए। बच्चे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रखने की बजाय उसे लगातार प्रेरित और उत्साहित करते रहना चाहिए। उसकी कोशिशों को अहमियत देनी चाहिए और उसे समझाना चाहिए कि हमें कुछ भी पाने की लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। शुरुआती स्तर पर बच्चे के आत्मविश्वास को विकसित होने का भरपूर मौका व परिवेश देना चाहिए।

हर समय जबर्दस्ती अच्छी नहीं

माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा काबिल बने, पर इसके लिए बच्चों पर अनावश्यक बोझ डालना समझदारी नहीं है। बच्चों को सक्रिय और ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना अच्छा तो है, लेकिन बच्चे के साथ जबर्दस्ती करना ठीक नहीं है। इससे बच्चा बोझिल होने लगता है और वह हर काम को बोझ समझने लगता है। वह किसी भी काम को मन लगाकर नहीं करता। इससे उसकी फोकस क्षमता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

कहीं आपको ही तो काउंसलिंग की जरूरत नहीं!

डॉ अरुणा मानती हैं, 'यदि मां-बाप बच्चों से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो ये मां-बाप का अपरिपक्व व्यवहार है। जरूरत से अधिक अपेक्षा रखना बच्चे के सहज विकास की प्रक्रिया को रोक देता है। इससे बच्चे की अपने परिवेश को सीखने-समझने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसी प्रक्रिया में बच्चों की काउंसलिंग की जगह मां-बाप को अपनी काउंसलिंग और एंगर मैनेजमेंट को सीखने की जरूरत है। ऐसी किसी भी स्थिति से निबटने के लिए माता-पिता को बिना किसी संकोच के काउंसलर या मनोचिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। इससे उन्हें एक ओर जहां पेरेंटिंग के बारे में कुछ नयी चीजें सीखने को मिलेंगी, वहीं दूसरी आपके इन प्रयासों का बच्चों पर भी सकारात्मक असर दिखाई पड़ेगा।'

खुद में बदलाव को रहें तैयार

बच्चों की गलतियों पर आप जो प्रतिक्रिया देती हैं, उस पर संयम रखना सीखें। बच्चों की छोटी-छोटी गलतियों पर उसे डांटें नहीं, बल्कि उसे प्यार और धैर्य से समझाएं। उस परंपरागत सोच से बाहर निकलें, जहां माता-पिता जो करते हैं वह सही है। समय और समाज में आए बदलावों के साथ खुद में भी बदलाव करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन की कड़कड़ाती ठंड ने 70 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा,तापमान शून्य से भी नीचे पहुंचा

बीजिंग। राजधानी में 1951 के बाद से सबसे लंबी शीतलहर दर्ज की गई है। यहां तापमान जीरो डिग्री पहुंच गया है। जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कड़कड़ाती सर्दी से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। सर्दी के सितम का आलम क्या है इस बात का अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि राजधानी बीजिंग में 70 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग में रविवार दोपहर में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। 1951 के बाद से पहली बार ऐसा हुआ कि तापमान शून्य डिग्री के नीचे पहुंचा है। 11 दिसंबर को पहली बार तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी तब से लेकर अभी तक तापमान जीरो शून्य डिग्री से नीचे ही बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार 300 घंटों के ज्यादा का समय हो चुका है लेकिन तापमान में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। दिसंबर के महीने में चीन के ज्यादातर शहरों में तेज ठंड पड़ती है। शीत लहर की वजह से उत्तरी चीन के कुछ हिस्सों में तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। शीत लहर की वजह से पूरा बीजिंग बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। बीजिंग में चल रही शीत लहर की वजह से कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। शहर में यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। कम विजिबिलिटी की वजह से गाड़ियों को चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं मेट्रो सेवा पर भी बर्फबारी के चलते रुकावट पैदा हो रही है। बताया जा रहा है कि दिसंबर की शुरूआत में बर्फबारी के चलते दो मेट्रो की टक्कर हो गई थी जिसमें सैकंड़ों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। इनमें से कुछ यात्रियों की हड्डियां भी टूट गई थीं। वहीं जियाओजुओ शहर में बीते शुक्रवार को वानफैंग पावर प्लांट में खराबी आ गई, जिससे लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोग गर्मी के लिए हीटर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बिजली न होने की वजह से हीटर भी काम नहीं कर रहा।

मदद का दुरुपयोग, अमेरिका के भेजे 4 करोड़ डॉलर यूक्रेनी अधिकारी ने किए हजम

वाशिंगटन। यूक्रेन में मदद के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। जाहिर है कि हर देश यूक्रेन को हरसंभव मदद कर रहे हैं। लेकिन, अब मदद के दुरुपयोग की बात सामने आ रही है। यूक्रेन ने रक्षा मंत्रालय में कार्यरत एक शीर्ष अधिकारी को तोप के गोले खरीदने के लिए अमेरिका की तरफ से भेजे गए 4 करोड़ डॉलर के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट में बताया है कि आरोपी ने पिछले साल दिसंबर में बड़ी संख्या में तोप के गोलों की खरीद के लिए एक विशेष निर्यात कंपनी के साथ करार किया था। यूक्रेन से जारी युद्ध के बीच रूस में इन दिनों कामगारों का संकट गहरा गया है। चालू वर्ष के दौरान रूस में 48 लाख कामगारों की कमी रही। यह संकट और गहरा सकता है। रशियन एकेडमी ऑफ साइंस के इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स के विशेषज्ञों और शोध का हवाला देते हुए मी?डिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इतना ही नहीं सेंट्रल बैंक के गवर्नर एलविरा नबीउलीना ने पिछले महीने कहा था कि रूस की श्रम शक्ति कमजोर होती जा रही है। इससे देश के आर्थिक विकास के लिए खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा ?कि बीजिंग को डर है कि नकारात्मक भावनाएं फैलाने वाले अधिक नकारात्मक लोग उपभोक्ताओं के विश्वास को और कम कर देंगे। इस बीच, अन्य चुनौतियों के बीच, चीनी नीति निर्माता अब अपस्फीति के खतरे से जूझ रहे हैं। यहां तीन साल पहले नवंबर में महामारी की गहराई के बाद से उपभोक्ता कीमतों में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जो कमजोर घरेलू मांग का संकेत देती है। लेकिन विश्लेषकों के अनुसार, चीनी अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता की कमी वैश्विक निवेशकों को और अधिक प्रभावित कर सकती है।

ईरानी नौसेना में शामिल क्रूज मिसाइलो से लाल सागर में तनाव

दुबई। ईरान की नौसेना ने रविवार को घरेलू स्तर पर निर्मित अत्याधुनिक क्रूज मिसाइलों को अपने शस्त्रागार में शामिल किया। सूत्रों ने बताया कि तलाइह और नासिर, दोनों क्रूज मिसाइलें राजधानी तेहरान से लगभग 1,400 किलोमीटर (850 मील) दक्षिण-पूर्व में स्थित एक नौसैनिक अड्डे पर पहुंची हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल शाहरम ईरानी ने कहा कि तलाइह की मारक क्षमता 1,000 किलोमीटर (620 मील) से अधिक है और उन्होंने इसे पूरी तरह से स्मार्ट कहा। ईरानी ने कहा कि क्रूज मिसाइल यात्रा के दौरान लक्ष्य बदलने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि नासिर की मारक क्षमता 100 किलोमीटर (62 मील) है और इसे युद्धपोतों पर स्थापित किया जा सकता है। पिछले महीने, एक इजराइली अरबपति के स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज पर हिंद महासागर में एक संदिग्ध ईरानी ड्रोन ने हमला किया था, क्योंकि इजराइल ने गाजा पट्टी में ईरान समर्थित हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है।

स्कैन में मिले हमास के एक वर्ग किलोमीटर सुरंग को किया इज्राइल ने नष्ट

-इजरायली सेना को जहां मिले थे 5 बंधकों के शव, उसी के नीचे मिला बड़ा सुरंग नेटवर्क, अदंर की व्यवस्था देख रह गए हैरान

गाजा (ईएमएस)। उत्तरी गाजा के जबालिया में इजरायल की सेना ने हमास के एक बड़े सुरंग नेटवर्क का खुलासा किया है। ये सुरंग नेटवर्क उसी जगह के पास मिला है, जहां इस महीने की शुरुआत में पांच इजरायली बंधकों के शव बरामद किए गए थे। स्कैन के दौरान पता चले सुरंग शाफ्ट से दो स्तरों के साथ एक विशाल सुरंग नेटवर्क का पता चला जो एक लिफ्ट एक बड़े हॉल और कमांड सेंटर तक दर्जनों मीटर नीचे जा रही थी। आईडीएफ ने बताया है कि सुरंग नेटवर्क काफी फैला हुआ था, जिसका इस्तेमाल हमास ने युद्ध के लिए किया था। इसमें पास के स्कूल और अस्पताल के नीचे से जाने वाली कुछ सुरंगें भी शामिल थीं। इनमें से एक शाफ्ट हमास के उत्तरी गाजा ब्रिगेड के पूर्व कमांडर अहमद घंडौर के घर तक पहुंचती थी, जो इजरायली हवाई हमले में मारा गया था। ये पूरा नेटवर्क लगभग एक वर्ग किलोमीटर आकार का था। जिसे नष्ट कर दिया गया है। सुरंग में हथियार और हथियार बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बुनियादी ढांचे भी पाए गए। इस इलाके में दो शव 13 दिसंबर को पाए गए थे। इसके बाद सुरंग नेटवर्क के एक अलग क्षेत्र में तीन और शव मिले थे। क्षेत्र का स्कैन पूरा करने के बाद विशाल सुरंग नेटवर्क को नष्ट कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि हमास के गाजा चीफ याह्या सिनवार और सैन्य प्रमुख मुहम्मद डेफ ने सुरंग नेटवर्क से ही 7 अक्टूबर के इजरायल पर हमले को प्लान किया था, जिसमें 1,200 लोगों की हत्या कर दी गई थी और 250 का अपहरण कर लिया गया था। इजरायली सेना लगातार गाजा के सुरंग नेटवर्क को खत्म करने के लिए काम कर रही है।

हमास को खत्म करने की इज्राइली प्रतिबद्धता के बीच युद्ध विराम के प्रयास जारी

गाजा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक में कहा कि युद्ध हमसे बहुत भारी कीमत वसूल रहा है लेकिन हमारे पास लड़ाई के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हमास को खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमास पर पूरी तरह जीत हासिल करने तक हम गाजा में लड़ेंगे। नेतन्याहू का ये बयान ऐसे समय आया है, जब गाजा के जमीनी अभियान में सबसे ज्यादा इजरायली सैनिकों की मौतें हुई हैं। इजरायली सेना ने बताया है कि शनिवार को उसके 10 सैनिक और शुक्रवार को पांच सैनिक मारे गए थे, नवंबर की शुरुआत के बाद से दो दिनों में उसके सैनिकों की युद्ध में मौतों की ये सबसे ज्यादा संख्या है। नेतन्याहू ने रविवार को एक कैबिनेट बैठक में कहा, गाजा में लड़ाई के एक बहुत कठिन दिन के बाद यह एक कठिन सुबह है। वहीं इज्राइली सेना प्रवक्ता ने कहा है कि उन्होंने उत्तरी गाजा और दक्षिणी गाजा में अपने सैन्य अभियान को और व्यापक किया है लेकिन ये अभियान मुश्किल और लंबा होने जा रहा है। उधर काहिरा में इजरायल के बयान के बावजूद युद्ध विराम पर बातचीत जारी है। हमास के साथ आतंकवादी समूह इस्लामिक जिहाद, पीआईजे भी काहिरा में वार्ता में शामिल हुआ है। इस्लामिक जिहाद के निर्वासित नेता जियाद अल-नखलाला और हमास प्रमुख इस्माइल हनीयेह ने वार्ता में भाग लिया।

नाइजीरिया में हिंसक झड़प, 16 की मौत

अबुजा। उत्तर मध्य नाइजीरिया के मुशू गांव में चरवाहों और किसानों के बीच हुई झड़प में लगभग सोलह लोग मारे गए। मीडिया में आ रही खबरों के मुताबिक नाइजीरियाई सेना के एक अधिकारी के हवाले से एएफपी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमला शनिवार की आधी रात को हुआ और रक्तपात के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस और सुरक्षा बल इलाके में स्थिति को और ज्यादा बिगड़ने से रोकने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जहां जातीय और धार्मिक संघर्ष सामान्य बात हैं।

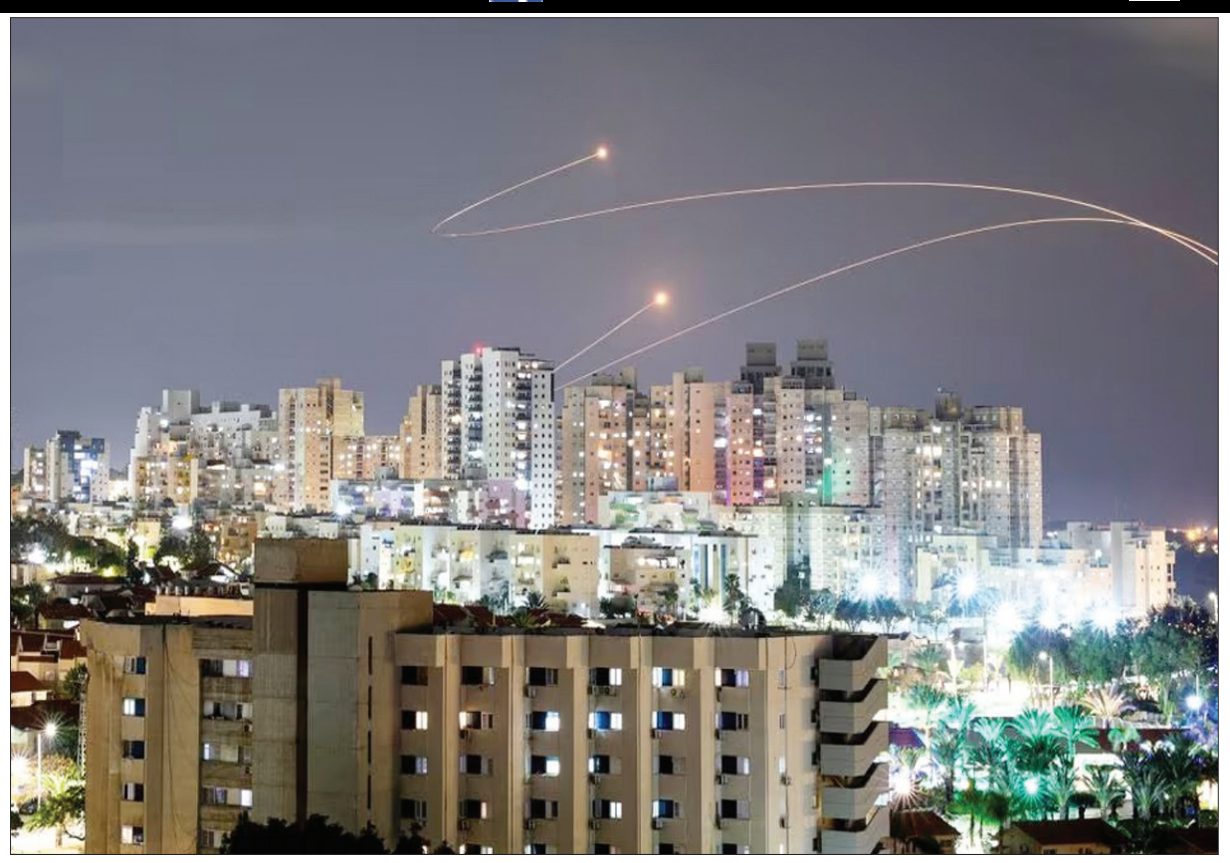

इजरायल के असहेलेकोन एंटी मिसाइल सिस्टम आयरन डोम ने हमास की ओर से दागी गयी मिसाइलों को गिरा दिया।

चुनाव आयोग ने इमरान से छीना बल्ला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लंबे इंतजार के बाद फरवरी में चुनाव होना है। दो महीने से भी कम का समय वोटिंग में बच गया है। कानूनी मामलों और सजा में घिरे इमरान खान को चुनाव से पहले देश के चुनाव आयोग ने तगड़ा झटका दिया है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने 8 फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले रविवार को 175 राजनीतिक दलों की एक सूची जारी की। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एक के बाद दूसरी परेशानियों में घिरते जा रहे हैं।

पहले इमरान खान की पार्टी पीटीआई का चुनावी चिह्न बल्ला चुनाव आयोग ने छीन लिया। अब इमरान की पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ नेतृत्व विहीन हो गई है। इस तरह इमरान की पार्टी आधिकारक तौर पर इमरान की नहीं रही। इससे पहले इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ अपना बैट का चुनावी निशानी खो चुकी है। यह फैसला पाकिस्तान की चुनाव आयोग ने पीटीआई में हुए आंतरिक चुनाव को ध्यान में रख कर लिया गया। चुनाव आयोग पीटीआई में हुए आंतरिक चुनाव से संतुष्ट नहीं थे। पाकिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त हैं सिकंदर सुल्तान राजा, उन्होंने एक पांच सदस्यीय बेंच के फैसले में तय किया कि पीटीआई का आंतरिक चुनाव सिरे से खारिज है। खान फिलहाल जेल में हैं। वह अपने खिलाफ लगे आरोपों को नकारते हैं। आरोप हैं कि पाकिस्तान का चुनाव आयोग इमरान खान की लोकप्रियता की वजह से सेना के दबाव में ऐसे फैसले कर रहा है। इमरान खान को इसी बरस अगस्त महीने में गिरफ्तार कर लिया गया था। खान पिछले साल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद से हटा दिए गए थे। इसके बाद से उनके खिलाफ साइफर से लेकर भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे हैं।

इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग में एआई बना बड़ा हथियार

गाजा (एजेंसी)। हमास और इजराइल के बीच चल रही जंग में एआई की इंट्री हो गई है। जिसके कारण इजराइली सेना चुन चुनकर हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है। इजराइल के टैंक और फाइटर जेट तो गोले बरसा ही रहे हैं, लेकिन सुरंग में छिपे हमास के लड़ाकों को खत्म करने के लिए इजराइल की ओर से अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जा रहा है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या अब जंग लड़ने का तरीका बदलने वाला है, क्या भविष्य में युद्ध इंसान और मशीनों के बीच लड़ा जाएगा? मगर गाजा के रण का सबसे विध्वंस सबसे घातक चैप्टर अब शुरु हुआ है। एक ऐसा दौर जो ना सिर्फ गाजा का नक्शा बदल सकता है बल्कि भविष्य में होने वाले जंगों की शक्ल और स्वरूप को पूरी तरह से पलटकर रख देगा।

गाजा की जंग में एआई की एंट्री के बाद ये युद्ध ऑटोमेटेड हो चुका, जिसमें एक तरफ इंसान हैं तो दूसरी तरफ मशीनें हैं। विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आईडीएफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से हमास की सुरंगों और हिडन टारगेट्स को निशाना बना रही है। सिर्फ यही नहीं हमास कमांडर की लोकेशन तक को एआई की मदद से ट्रेस कर उन्हें जमीन में दफन कर रहा है। इजराइल का दावा है कि इस हमले में हसन अतराश के अलावा भी कई कमांडरों की मौत हो गई। हसन की मौत को इजराइल बड़ी

कामयाबी बता रहा है। दरअसल हसन अतराश हमास के लिए हथियारों की डील करता था। वहीं हमास के लिए हथियारों का इंतजाम करता था और गाजा तक हथियार किस रूट से आएंगे उसकी हर जानकारी हसन अतराश के पास रहती थी। वेस्ट बैंक में भी हसन अतराश ही हथियारों पहुंचाता था। दावा है कि हमास कमांडर को मारने के लिए इजरायल ने अपने खास एआई वेपन का इस्तेमाल किया है। इस हथियार को इजरायल ने हाल ही में विकसित किया है।

इजराइल के इस हथियार की क्षमता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यह 24 घंटे में 100 से ज्यादा टारगेट्स का पता लगा सकता है। इसके लिए हासबोरा ड्रोन फुटेज और सर्विलांस डेटा का इस्तेमाल करता है। डेटा की स्कैनिंग के बाद ये हमास के ठिकानों की सटीक लोकेशन देता है जिसके बाद इजराइली सेना वहां एयर स्ट्राइक कर देती है। हाबसोरा मारे गए लोगों का सटीक आंकड़ा भी बताता है।

नेता परिजनों को भ्रष्टाचार से दूर रखने के लिए सख्त नियम बनाएं : राष्ट्रपति शी चिनफिंग

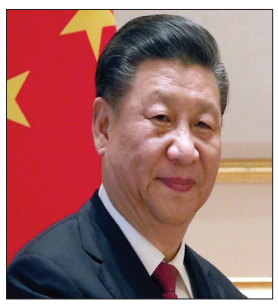

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों को व्यक्तिगत ईमानदारी बनाए रखने, रिश्तेदारों को भ्रष्टाचार से दूर रखने के लिए सख्त नियम निर्धारित करने और ''विदेशी उदाहरणों'' का आंख बंद करके अनुसरण करने से बचने की चेतावनी दी है। चिनफिंग (70) ने 22 दिसंबर को हुई पार्टी की अहम बैठक में कहा,''सीपीसी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्यों को मार्क्सवादी राजनेताओं के मानकों के अनुसार खुद पर कठोर नियंत्रण लागू करना चाहिए, जिससे पूरी पार्टी के लिए व्यक्तिगत अखंडता और आत्म-अनुशासन बनाए रखने में एक उदाहरण स्थापित किया जा सके।''

इस बैठक का ब्यौरा रविवार को आधिकारिक मीडिया ने जारी किया। राष्ट्रपति ने कहा, ''जब भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रयासों की बात आती है तो उन्हें (नेताओं) अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और अपने निजी कर्मचारियों के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए।'' पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद शी लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने वाले एकमात्र चीनी नेता हैं। वर्ष 2012 में पार्टी का नेतृत्व संभालने के बाद से चिनफिंग भ्रष्टाचार विरोधी अभियान जारी रखे हुए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, तब से कई शीर्ष सैन्य जनरलों सहित दस लाख से अधिक अधिकारियों को दंडित किया गया है। चिनफिंग की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई आत्म-आलोचना बैठक में, प्रत्येक पोलित ब्यूरो सदस्य ने बारी-बारी से अपने काम के बारे में चर्चा की।

गाजा पर इजरायल की बड़ी एयर स्ट्राइक, क्रिसमस के मौके पर दागे गए गोली बारूद में 70 की मौत

गाजा (एजेंसी)। हमास और इजरायल के बीच जारी युद्ध को 80 दिनों का समय बीत चुका है। इस युद्ध में दोनों ओर से हवा और जमीनी स्तर पर हमले लगातार किए जा रहे हैं। इसी बीच क्रिसमस की मौके पर इजरायल ने गाजा पर जबरदस्त एयर स्ट्राइक कर दी है

जिसमें 70 लोग मारे गए हैं। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल है। बता दें कि हवाई हमला अब तक गाजा पट्टी पर हुआ सबसे घातक हमला है।

मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को क्रिसमस की शुरुआत होने से कुछ घंटे पहले ही इसराइल ने गाजा पर यह हवाई हमला किया। सोमवार की सुबह तक यह हमले लगातार इजरायल की तरफ से होते रहे। इसराइल ने गाजा में गोलीबारी बढ़ा दी है। हमास द्वारा संचालित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि इजरायल द्वारा किए गए इस हवाई हमले में 70 लोगों की मौत हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इसराइल ने एक शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर यह हमला किया। इस हमले के बाद इजरायल की सेना ने कहा कि इस घटना की समीक्षा की जा रही है। सेना ने कहा कि हम नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट ने घायलों के अस्पताल पहुंचने की फुटेज भी जारी की है। इजरायल युद्ध विमान मध्य गाजा के बीच सड़कों पर बमबारी करने में जुटे हुए हैं। इस बमबारी के कारण एंबुलेंस और इमरजेंसी वाहनों की आवाजाही में परेशानी आ रही है।

अरब सागर में हूती गतिविधियों से भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा

तेहरान (एजेंसी)। अरब सागर में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की गतिविधियों से अर्थव्यवस्था के लिए पैदा हुए गंभीर खतरे से भारतीय नौसेना जूझ रही है। इससे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की मोदी सरकार के संकल्प को झटका लग सकता है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से लेकर अरब सागर तक कोहराम मचा रखा है। इस कारण दुनिया की कई बड़ी शिपिंग कंपनियों की इस रूट पर समुद्री यातायात प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है और महंगाई बढ़ने की संभावना जताई जाने लगी है।

पिछले दो दिनों में भारत से जुड़े दो वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया है। सबसे पहले शनिवार की सुबह एमवी केम प्लूटो पर भारत के तट से महज 200 समुद्री मील की दूरी पर ड्रोन हमला किया गया। इस जहाज पर चालक दल के 20 भारतीय सदस्य सवार थे। सौभाग्य से इस हमले में किसी की मौत नहीं हुई। जहाज भी अपन गंतव्य की ओर आगे बढ़ने में सक्षम था। इस घटना की जांच के लिए भारतीय नौसेना के आईएनएस मोरमुगाओ युद्धपोत को भेजा गया था। अमेरिका का दावा है कि ड्रोन हमला ईरान से

किया गया था, जो भारत का अहम साझेदार है।

अमेरिका ने लाल सागर मार्ग को सुरक्षित करने के लिए 10 देशों का समुद्री गठबंधन बनाने की घोषणा की है। इन देशों से अपेक्षा की जाती है कि वे मार्ग पर गश्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करें। भारत ने इस संबंध में पुष्टि की कि इस टास्क फोर्स के संबंध में बातचीत हुई है। लेकिन भारत के शामिल होने की अभी कोई खबर नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हूती विद्रोहियों के हमलों के मुद्दे पर चर्चा की है। भारतीय नौसैनिक जहाज भी इस क्षेत्र के करीब हैं। इस बीच हूती विद्रोहियों ने घोषणा की है कि वे हमले जारी रखेंगे। पिछले दो दिनों की घटनाएं इस बात की तस्दीक करती हैं कि अभी तक कोई तात्कालिक सुधार नहीं आया है।

कोरोना की नई लहर और नया वैरिएंट चीन में मचा रहा कहर

-अस्पतालों और श्मशानों में लगी लंबी लाइनें, भारत में बज रही खतरे की घंटी

लंदन (एजेंसी)। पिछले महीने से दुनिया भर में कोविड का नया सब-वैरिएंट जेएन.1 फैल रहा है। यह ब्रिटेन, चीन समेत कई देशों में कोविड का प्रमुख स्ट्रेन बन गया है। ले?किन अब भारत में इसके बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। जेएन.1 को लेकर भारत की चिंता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि पड़ोसी चीन में इसने तबाही मचानी शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में आया कि कोविड के इस वैरिएंट के फैलने से चीन में बड़ी संख्या में लोग मारे जा रहे हैं। कथित तौर पर मरने वालों की संख्या इतनी अधिक है कि वहां के श्मशानों को 24 घंटे काम करना पड़ रहा है। कोविड के इस नए वैरिएंट को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट की श्रेणी में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि हाल के दिनों में हमने देखा है कि जेएन.1 के मामले कई देशों में रिपोर्ट किए गए हैं। यह दुनियाभर में तेजी से फैल रहा है।

जानकार बता रहे हैं कि यह वैरिएंट ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट बीए.2.86 से बना है। यह इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि हम इसे एक नए वैरिएंट के रूप में वर्गीकृत करते हैं। चीन के हेनान प्रांत के स्थानीय लोगों ने स्थानीय अखबारों से कोविड की स्थिति को लेकर बात की है। उन्होंने बताया है कि कोविड के कारण स्थिति कितनी खराब है। एक व्यक्ति ने दावा कि सरकारी श्मशानों में इतने अधिक मृतक लाए गए हैं कि भीड़ बढ़ गई है और श्मशानों में 24 घंटे शव जलाए जा रहे हैं। मिस्टर झाउ नाम के एक शख्श ने कहा कि फ्यूनरल होम में आठ श्मशान हैं। आठों श्मशानों में चौबीसों घंटे शव जलाए जा रहे है जो काफी डरावना है।

मिस्टर झाउ के अनुसार मरने के बाद भी लोगों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है ताकि वो जलाए जा सकें। उन्होंने कहा, शव इतने ज्यादा है कि सरकारी श्मशान कम पड़ रहे हैं। पिछले तीन सालों में, कई निजी श्मशान भी खुल गए हैं और उनका व्यवसाय फल-फूल रहा है। मरने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रहा है। शव इतने ज्यादा है कि उन्हें जलाने के लिए काफी इंतजार हो रहा है। उन्हें रेफ्रिजरेटरों में रखा जा रहा है और नंबर आने पर जलाया जा रहा है। चीन में फिलहाल कोरोना के 118,977 पोजिटिव मामले हैं जिनमें से 7,557 मामले बेहद गंभीर है।चीन में कोविड से मरने वालों की सटीक संख्या सामने नहीं आ पाई है।

इधर चीन में कोविड से हो रही मौतों को देखते हुए भारत की चिंताएं भी बढ़ गई है। भारत

में जेएन.1 वैरिएंट के फैलने के बीच कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या 4,000 पार कर गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि एक दिन में 628 कोविड के नए मामले सामने आए हैं और केरल में एक व्यक्ति की मौत भी हुई है। केरल में ही कोविड के नए वैरिएंट जेएन.1 का पहला मामला सामने आया था।

वंदे भारत के बाद अब चलेगी अमृत भारत ट्रेन, मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के बाद अब अमृत भारत ट्रेन की शुरुआत होने जा रही है। लोग अब सामान्य ट्रेनों की तुलना में वंदे भारत से यात्रा करने को प्राथमिकता देने लगे हैं। इसकी वजह यह है कि ट्रेन में जो सुविधाएं मिल रही हैं, उससे यात्री बहुत खुश हैं। भले वंदे भारत से यात्रा करने में किराया थोड़ा ज्यादा लगता हो मगर समय की जरूरत बचत होती है। देश के अलग-अलग शहरों में वंदे भारत ट्रेनों के बिछते जाल के बीच अब अमृत भारत ट्रेन दस्तक देने जा रही है। अमृत भारत ट्रेन को आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहले महंगे किराए की वजह से जहां देश का निम्न वर्ग वंदे भारत से यात्रा करने में झिझकता था उसे अब अमृत भारत का विकल्प मिलने वाला है। जिसकी शुरुआत पीएम मोदी हरी झंडी दिखाकर करने वाले हैं। बता दें कि अमृत भारत ट्रेन की शुरुआत बिहार से होने जा रही है। पूर्व मध्य रेल के हाजीपुर मुख्यालय में इसे लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। मुख्यालय की ओर इस नई ट्रेन के स्वागत को लेकर तैयारियां चल रही हैं। अमृत भारत 22 बोगियों वाली ट्रेन होगी। इसमें एसी कोच के बजाय सभी कोच स्लीपर और जनरल होंगे। मगर, बाकी सुविधाएं कहीं भी वंदे भारत से कम नहीं होने वाली हैं। ट्रेन की बोगियों में सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। इसमें मॉडर्न टॉयलेट, सेंसर वाले वाटर टैप के साथ गॉर्ड और मेट्रो की तरह अनाउंसमेंट सिस्टम भी होगा। इस तरह ये खूबिया अमृत भारत ट्रेनों को बहुत खास बनाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 30 दिसंबर को हरी झंडी दिखाकर अमृत भारत ट्रेन को रवाना करेंगे। यह ट्रेन बिहार के दरभंगा से अयोध्या होते हुए नई दिल्ली जाएगी। अमृत भारत सेमी हाई स्पीड ट्रेन है। यह रफ्तार के मामले में राजधानी और शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों को टक्कर देगी। अमृत भारत ट्रेन की 130 किमी प्रति घंटा की अधितकतम गति से चलेगी। किराया वंदे भारत ट्रेनों की तुलना में इसे कम रखने का फैसला लिया गया है।

कुनो के जंगल से भागा नर चीता, राजस्थान में होने की संभावना

कूनो। मप्र के कूनो नेशनल पार्क से एक चीते के भागने की खबर आ रही है। यह चीता राजस्थान की ओर भागा है। बता दें कि यहां खुले जंगल में चीतों को आजाद किया गया था। अब बड़ी जानकारी सामने आई है कि यह चीते अब खनन के जंगलों की सीमा को लांघ रहे हैं और दूर दराज के इलाकों में पहुंच रहे हैं। इसी बीच कुनो नेशनल पार्क के जंगल में छोड़े गए चार चीतों में से एक यानी अग्नि नाम का चीता दोनों नेशनल पार्क के जंगल से बाहर निकल कर पोहरी इलाके से होते हुए रतनगढ़ इलाके में पहुंच चुका है। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि के बीच, श्योपुर में कूनो राष्ट्रीय उद्यान की सीमाओं से चीता अग्नि के भागने से वन्यजीव अधिकारियों के बीच गहरी चिंता पैदा हो गई है। ये अधिकारी अब स्थिति को संभालते हुए नई रणनीति बना रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अग्नि के लापता होने के चार दिन बीत जाने के बावजूद उसकी वापसी का कोई सुराग नहीं मिला है। हाल की जानकारी राजस्थान सीमा के निकट वन क्षेत्र में उसके ठिकाने की ओर इशारा करती हैं। अधिकारियों ने चौबीसों घंटे सतर्क रहते हुए निरंतर निगरानी अभियान तेज कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि अगर अग्नि राजस्थान की ओर आगे बढ़ता है तो उसे शांत करने की योजना बनाई जा रही है। संचालन समिति ने प्राथमिकता के तौर पर अग्नि और वायु के बीच शीघ्र पुनर्मिलन की सलाह दी है। चीता अग्नि के भागने की कहानी 17 दिसंबर को कुनो नेशनल पार्क के अधिकारियों द्वारा अग्नि और वायु दोनों को एक सुरक्षित बाड़े से खुले जंगल में छोड़े जाने के बाद शुरू हुई। अपनी रिहाई के बाद, दोनों अलग हो गए, वायु ने कुनो जंगल की सीमा के भीतर रहने का विकल्प चुना। शुरुआत में पिछले शनिवार को पोहारी क्षेत्र के पास बफर जोन में इसे देखा गया था, अग्नि का हालिया ठिकाना रीची गांव के पास जंगल के आसपास हो गया है। विशेष रूप से, राजस्थान में केलवाड़ा और सीताबाड़ी जैसे क्षेत्र अग्नि के वर्तमान स्थान के करीब बना हैं।

पाकिस्तान ने 5 दिनों में दिया तीन साजिशों को अंजाम

जम्मू। पाकिस्तान लगातार बॉर्डर पर साजिशों को अंजाम देने में जुआ हुआ है। जिसका हालिया उदाहरण जम्मू कश्मीर में देखने को मिला जब यहां तीन साजिशों को अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 के हटने के बाद से ही यहां विकास की बयार तेजी से बह रही है। जम्मू कश्मीर में अमन का परचम फैला हुआ है जो पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। घाटी में लंबे अरसे से टारगेट किलिंग भी हुई है हालांकि कुछ दिनों से इस तरह के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है जिसे सीमा पार से अंजाम दिया जा रहा है। बता दे की 21 दिसंबर को ही पूंछ में सेना के दो वाहनों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। आतंकवादियों द्वारा अंजाम दी गई इस घटना में चार जवान शहीद हुए थे जबकि तीन घायल हो गए थे। इस दौरान आतंकियों ने जवानों के हथियार भी लूटे थे। बता दें कि इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्करी तैयबा से संबंधित पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने ली थी। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने शनिवार तड़के यहां घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया था।

नए वैरिएंट ने बढ़ाई चिंता- पांच संक्रमितों में से एक जेएन.1 से पीड़ित, वेंटिलेटर-ऑक्सीजन रखने के निर्देश

मुंबई। देश में 24 दिसंबर को कोरोना के 656 नए मामले सामने आए। देश में एक्टिव केस बढ़कर 3742 हो गए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 128 केस मिले हैं, राज्य में एक्टिव केस 3000 हो गए हैं। वहीं, महाराष्ट्र में कोरोना के 50 मामले सामने आए हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि महाराष्ट्र में जो नए केस मिले, उनमें से हर 5 में से करीब एक केस नए वैरिएंट जेएन.1 का है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि कहीं महाराष्ट्र कोविड के नए वैरिएंट का सुपर स्प्रेडर तो नहीं बन रहा है? जेएन.1 वैरिएंट के बढ़ते केसों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार अलर्ट पर आ गई है। सरकार ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य आवश्यक उपकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। भारत में इससे पहले 23 दिसंबर को कोरोना के 752 नए केस सामने आए थे। यह 21 मई के बाद देश में सबसे ज्यादा केस थे। भारत में बढ़ते कोरोना केसों के पीछे जेएन.1 वैरिएंट को ही मुख्य वजह माना जा रहा है। केरल में जेएन.1 वैरिएंट का पहला केस मिला था। केंद्र सरकार ने राज्यों को वायरस के वैरिएंट पर नजर बढ़ाने के लिए सभी सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजने का निर्देश दिया है। कोरोना का जेएन.1 वैरिएंट अन्य वैरिएंट की तुलना में अधिक संक्रामक बताया जा रहा है तेजी अन्य वैरिएंट की तुलना में ज्यादा तेजी से फैलता है। हालांकि, अभी तक इस वैरिएंट से कोई गंभीर खतरा सामने नहीं आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जेएन.1 वैरिएंट को वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के तौर पर बताया है।

बिना पैराशूट प्लेन से कूदा शख्स, कैमरे पर रिकॉर्ड हुई खुद की मौत

नई दिल्ली। एक शख्स ने बिना पैराशूट के प्लेन से कूदकर अपनी ही मौत को कैमरे पर रिकॉर्ड कर लिया। हालां?कि ये मौत बेहद दर्दनाक थी। जानकारी के अनुसार पेशे से स्काइडाइवर की मौत प्लेन से कूदने की वजह से हुई, हालां?कि वो एक सबसे जरूरी चीज पैराशूट लेना ही भूल गया था। शख्स का नाम इवान मैकगायर बताया जा रहा है। घटना अप्रैल 1988 की है। इवान जमीन से 10,000 फीट की ऊंचाई पर पैराशूट लैसन को कैमरे पर रिकॉर्ड करने के लिए काफी उत्साहित थे। ये उनकी दिन की तीसरी छलांग थी। वो अमेरिका के उत्तरी कैरोलीना के फ्रैंकलिन काउंटी स्पोर्ट्स पैराशूट सेंटर में थे। 35 साल के इवान ने प्लेन से छलांग लगाई। लेकिन उन्हें कूदने के बाद याद आया कि वो पैराशूट लेना ही भूल गए हैं। उस वक्त वो कैमरे पर सब रिकॉर्ड कर रहे थे। इस हादसे से पहले इवान ने 800 बार सफलतापूर्वक स्कायडाइविंग की थी। उन्हें पहले लगा कि वो पैराशूट लेकर आए हैं। लेकिन जब पता चला कि भूल गए हैं, तो काफी डर गए। धरती के करीब आते आते उनके मुंह से निकले आखिरी शब्द थे- हे भगवान, नहीं। बाद में उनका शव उस एयर फील्ड से लगभग डेढ़ मील दूर जंगल में पाया गया, जहां से उन्होंने उड़ान भरी थी। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। पायलट मार्क लुमैन से पूछा गया कि क्या उन्होंने इवान का पैराशूट चेक किया था। एफएए इंस्पेक्टर वाल्टर बिग्सबी ने कहा, ऐसा नियम है कि जब तक पायलट पैराशूट चेक न करे, कोई छलांग नहीं लगा सकता। पैराशूट सेंटर के मालिक की पत्नी नैंसी फयार्ड ने कहा, किसी को इस बारे में पता नहीं था कि वो प्लेन से बिना पैराशूट के कूदे हैं। बेशक किसी को नहीं पता था। अगर पता होता तो वो उन्हें रोकता। हालांकि जांच में पता चला कि कोई साजिश नहीं रची गई।

कोरोना पर नई रिसर्च में खुलासा- जेएन.1 वायरस से जा सकती है आवाज

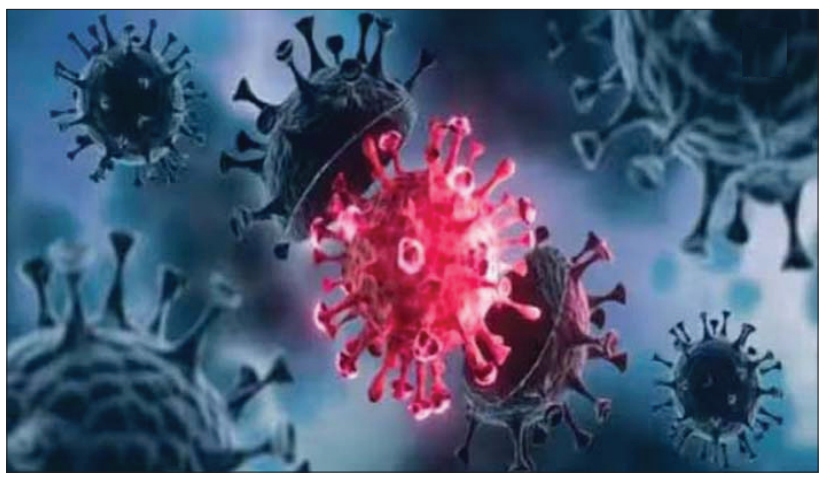

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना ने एक बार फिर पूरे देश में हड़कंप मचा दी है। इस पर हो रहे शोध में एक और नया खुलासा हुआ है। जिसमें कहा गया है कि जेएन.1 वायरस से प्रभावित व्यक्ति की आवाज भी जा सकती है।जनरल पेडियाट्रिक में एक रिसर्च सामने आई है। जिसमें पता लगा है कि कोरोना संक्रमण गले को भी संक्रमित करता है, इतना ही गले की आवाज तक जा सकती है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसे वोकल कॉर्ड पैरालिसिस कहा जाता है। इसमें आपके वोकल हिस्से प्रभावित होते हैं। संक्रमण की स्थिति में आप धीरे-धीरे बोलने की क्षमता खो देते हैं। यह बेहद खतरनाक है।

जीएनसीटीडी मंत्री (स्वास्थ्य) सौरभ भारद्वाज ने नवंबर-2023 के दौरान चीन में बच्चों में निमोनिया सहित श्वसन रोगों के मामलों में वृद्धि को देखते हुए 30 नवंबर को श्वसन चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ एक बैठक बुलाई थी। जिसमें आरटी पीसीआर द्वारा निमोनिया के गंभीर मामलों के परीक्षण करने, नमूनों का विवरण बनाए रखने और एंटी-वायरल दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने पर एसओपी जारी की गई। इसमें विभिन्न मापदंडों पर तैयारियों का आकलन करने के लिए 13 दिसंबर से 17 दिसंबर तक सभी अस्पतालों में मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी।कोरोना के खतरे को देखते हुए 20 दिसंबर को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी सभी स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक बुलाई। बैठक में कोविड परीक्षण करने और अस्पतालों की हर तीन महीने में मॉक ड्रिल पर बात की गई।

बता दें कि कोरोना का नया वैरिएंट जेएन.1 केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गोवा के कुछ हिस्सों में इस नए संक्रमण ने तेजी से लोगों को बीमार किया है। ओमीक्रॉन के इस नए सब-वेरिएंट जेएन.1 के साथ कोरोना एक बार फिर दस्तक जरूर दे चुका है लेकिन, एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे मौत के मामले और अस्पतालों में भर्ती लोगों की संख्या में उतनी बढ़ोत्तरी नहीं हुई जो डेल्टा वैरिएंट के समय पर थी। लेकिन, इस बीच कोरोना को लेकर सबसे नई रिसर्च ने सभी को चौंका दिया है। पता लगा है कि इस खतरनाक वायरस से न केवल स्वाद और गंध बल्कि गले को भी बेहद नुकसान हो सकता है। एक केस में 15 साल की एक लड़की ने कोरोना वायरस के चलते अपनी आवाज गंवा दी।

तेजस्वी यादव बोले- बिहार-यूपी के लोग नहीं जाएंगे तो दूसरों राज्यों की जिंदगी ठप हो जाएगी

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम ने कहा कि अगर वो कहते कि कुछ विशेष जाति के लोग ही नाला साफ कर रहे हैं। यूपी और बिहार के लोग दक्षिड़ में इस तरह का काम करते हैं तो ये निंदनीय है। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को लेकर डीएमके नेता दयानिधि मारन के विवादित बयान पर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया आई है। तेजस्वी ने डीएमके सांसद के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बिहार-यूपी के मजदूर लोगों की डिमांड होती है और अगर वो न जाएं तो दूसरों राज्यों की जिंदगी ठप हो जाएगी। करुणानिधि की पार्टी डीएमके सामाजिक न्याय में विश्वास करती है। अगर उनके दल के कोई भी नेता बिहार और यूपी के बारे में कुछ भी बोले हैं तो ये बहुत निंदा करने वाली बात है। इससे हमलोग सहमत नहीं हैं। बिहार और यूपी के मजदूर लोगों की पूरे देश में डिमांड होती है। अगर वो न जाएं तो दूसरे राज्यों की जिंदगी ठप हो जाएगी। ये बात लोगों को समझनी चाहिए। बिहार के डिप्टी सीएम ने कहा कि अगर वो कहते कि कुछ विशेष जाति के लोग ही नाला साफ कर रहे हैं तो एक बात होती कि एक जाति के लोग ही नाला साफ क्यों कर रहे हैं। उनका कहना है कि यूपी और बिहार के लोग आकर हमारे यहां इस तरह का काम करते हैं तो ये निंदनीय है। इसलिए हम सब लोग इसकी निंदा करते हैं। इस तरह के बयान से दूसरे राज्यों के नेताओं को चाहे कोई भी दल में हो बचना चाहिए।

बीजेपी के राष्ट्रवाद से मुकाबला करने पिवक्ष को ढूंढना होगा मोदी का विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष अपने सियासी वजूद को बचाने के लिए पिछले कुछ सालों से लगातार संघर्ष कर रहा है। टुकड़ों-टुकड़ों में कभी छोटी-मोटी सफलता भी मिली। लेकिन 2023 में भी विपक्ष के सामने कई अनसुलझे सवाल शेष रहे। जानकारों के अनुसार बीजेपी के राष्ट्रवाद का मुकाबला करने के लिए तथा मोदी के चहरे का विकल्प तलाशने के लिए विपक्ष को काफी मशक्कत करनी होगी। विपक्ष के सामने सबसे बड़ा अनसुलझा सवाल है कि वह नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी के नैरेटिव को किस तरह काउंटर करे। खासकर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद करने के लिए कुछ करना होगा। बता दें कि पिछले कुछ सालों में इन दोनों मसलों पर बीजेपी बहुत मजबूत हुई है और आए दिन ऐसी घटनाएं भी हुईं जो इस नैरेटिव को स्थापित रखने में मददगार बनी। अब नए साल की शुरुआत में ही 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी। विपक्ष बीजेपी की इस कोर पिच में कैसे सेंध लगाए इसका सियासी फॉर्म्युला अब तक नहीं खोज पाया है। कभी सॉफ्ट हिंदुत्व का प्रयोग कर तो कभी अपना राष्ट्रवाद सामने लाकर जरूर इसे काउंटर करने की कोशिश जरुरी हुइ है लेकिन सफलता विपक्ष को नहीं मिली।

चुनाव विश्लेषक यशवंत देशमुख की मानें तो अभी की सियासी परिस्थिति में जनमानस के बीच इन दोनों नैरेटिव में जब तक राजनीतिक दल अपनी भी स्वीकार्यता नहीं बढ़ाएंगे तब तक उनके सामने चुनौती बनी रहेगी। 2014 के बाद जब से नरेंद्र मोदी की अगुआई में नई बीजेपी सामने आई तब से देश में चेहरा आधारित चुनाव का नया दौर शुरू हुआ। नरेंद्र मोदी के सामने विकल्प कौन? यह विपक्ष का सबसे अनसुलझा सवाल रहा। ये साल भी विपक्ष ने इसी के जवाब में निकाल दिया। विपक्ष ने 27 दलों का इं?डिया गठबंधन भी बनाया तब भी उसमें एक आम चेहरा सामने नहीं ला पाया। चुनाव विश्लेषक आशीष रंजन बताते हैं कि अगर पिछले कुछ सालों की मिसाल देखें तो जिस राज्य में विपक्ष ने विधानसभा चुनाव में मजबूत चेहरा रखा वहां उसे जीत मिली।

विपक्ष ने लेकिन केंद्र में आकर ऐसा नहीं किया है, इसमें वह विफल रहा है। अभी 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक में यह मसला उठा और कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे किया लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। जबकि तमाम आंकड़े बताते हैं कि आजकल वोटर चुनाव में नेतृत्व की स्पष्टता वाले दल की ओर अधिक जाना पसंद करते हैं। ऐसे में विपक्ष के लिए इस अनसुलझे सवाल की तलाश सबसे अधिक है। विपक्ष अब तक बीजेपी के सामने अपना समानांतर अजेंडा भी नहीं रख पाया। न विचारधारा के रूप में भी अपनी बात को रख पाया। ये दो ऐसे मोर्चे हैं जहां विपक्ष खासकर कांग्रेस उलझा हुआ है। बीजेपी ने हाल के दिनों में संगठन के स्तर पर अभूतपूर्व काम किया है। साथ ही लगातार जमीन-संगठन पर अलग-अलग तरीके से काम करने की मंशा भी दिखाई। जानकारों के अनुसार बीजेपी की ऊर्जा-संगठन की ताकत ने भी देश की राजनीति में पार्टी को आज इस मजबूत स्थिति में खड़ा किया है। विपक्ष पर अक्सर सिर्फ चुनाव के समय जगने का आरोप लगता रहा है। विपक्ष बीजेपी के इस ऊर्जा को किस तरह काउंटर करे? जमीन पर संगठन को किस तरह खड़ा करे? पार्टी मशीनरी को किस तरह विकसित करे? इन तमाम अनसुलझे सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश कर रहा है लेकिन कोई विपक्षी दल इसका सामना नहीं कर पाया है।

सुशासन दिवस पर बोले सीएम योगी हर एक स्थिति में काम कर लेते थे अटलजी

लखनऊ (एजेंसी)। हिंदुस्तान की राजनीति में स्थायित्व कैसे होना चाहिए और स्थिर सरकारें देश के लिए किस प्रकार उपयोगी होती हैं, इसकी शुरुआत भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 1998 से की। वही परंपरा आज भी चल रही है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती की पूर्व सन्ध्या पर आयोजित 'अटल गीत गंगा' कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा,'वाजपेयी राजनीति के ऐसे अजातशत्रु थे, जिनमें सम और विषम दोनों परिस्थितियों में कार्य करने की अद्भुत क्षमता थी। उनका व्यक्तित्व ऐसा था, जो घरेलू व वैश्विक मोर्चे पर सफलतापूर्वक अपनी राह बनाता गया। उन्होंने कहा, 'भारत की राजनीति में स्थायित्व कैसे होना चाहिए तथा स्थिर सरकारें देश के लिए किस प्रकार उपयोगी होती हैं, इसकी शुरुआत अटल जी ने वर्ष 1998 से की। वही परंपरा आज भी चल रही है। मूल्यों और आदर्शों के साथ प्रतिबद्धता से जनता-जनार्दन की सेवा की जा सकती है और भारत में विकास के बड़े-बड़े कार्यक्रमों को लागू किया जा सकता है, यह अटलजी ने अपने जीवन में करके दिखाया।' इस अवसर पर कवि कुमार विश्वास ने कविता पाठ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय राजनीति को दिशा दी। उन्हें राजनीति का लम्बा अनुभव था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ मिलकर उन्होंने भारत की भावी राजनीति की रूपरेखा तैयार की थी। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसी आधारशिला पर नये भारत के भव्य भवन का नया स्वरूप हम सभी देशवासी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्राम पंचायत, विकास खंड, विधानसभा, मंडल तथा राज्य स्तर पर वाजपेयी की जयन्ती के शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रमों को भव्यता से आयोजित कराएगी। इसके माध्यम से स्थानीय लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा तथा छिपी हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव से लेकर प्रदेश स्तर पर अटल जी की स्मृति में कवि सम्मेलन प्रारम्भ होने चाहिए।

क्रिसमस पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रेयर में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश दुनिया में आज क्रिसमिस का पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल कैथोलिक चर्च पहुंचे और प्रेयर में शामिल हुए। वहां पादरी ने नड्डा की अगुवानी की और प्रभु यीशु के बारे में जानकारी दी। नड्डा ने प्रभु यीशु मसीह से संबंधित झांकी भी देखी। बाद में नड्डा ने दान पात्र में पैसे रखे और प्रभु यीशु को नमन किया। ये चर्च दिल्ली में गोल डाकखाना इलाके में स्थित है। नड्डा के साथ अन्य बीजेपी नेता भी चर्च पहुंचे थे। चर्च से बाहर आने के बाद नड्डा ने कहा, मैंने ईसा मसीह से आशीर्वाद लिया। हम सभी जानते हैं कि भगवान यीशु हम सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। प्रभु यीशु ने मानवता के लिए अपना जीवन लगाया है। आज उन्हें और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है। मैं सभी लोगों से कहना चाहूंगा कि हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने लोगों और समाज में सद्भाव, शांति के मार्ग पर चलने की सीख दी है। उनके बताए रास्ते पर चलना होगा। सौहार्दपूर्ण वातावरण में देश-दुनिया में मानवता, शांति और विकास के लिए अपने आपको लगाएं। नड्डा ने कहा कि मैं अपनी और पार्टी की तरफ से क्रिसमस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं। बता दें कि आज मध्य रात्रि के शुरू होते ही चर्च में प्रभु ईसा मसीह के जन्म का जश्न शुरू हो गया है। चर्चों में विशेष प्रार्थना और मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया। ईसाई धर्मावलंबियों में आज उत्साह का माहौल है।

फ्रांस में अटके 303 भारतीयों को लेकर विमान को जाने की अनुमति मिली

-विमान भारत आएगा या दुबई में होगा लैंड, अभी तय नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानव तस्करी के संदेह में पेरिस के पास एक हवाई अड्डे पर तीन दिन से रोके गये विमान को सोमवार को उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई है। विमान में 303 यात्री सवार हैं जिनमें अधिकतर भारतीय हैं। रविवार को स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। फ्रांसीसी समाचार प्रसारण टेलीविजन और रेडियो नेटवर्क ने बताया कि विमान को जाने की अनुमति देने के बाद फ्रांसीसी न्यायाधीशों ने प्रक्रिया में अनियमितताओं के कारण 300 से अधिक यात्रियों को रोके जाने के मामले की सुनवाई रोक दी। मानव तस्करी के संदेह में गुरुवार से पेरिस से 150 किलोमीटर पूर्व में वैट्री हवाई अड्डे पर फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए गए 303 यात्रियों से चार फ्रांसीसी न्यायाधीशों ने रविवार को पूछताछ शुरू की। यह सुनवाई मानव तस्करी के संदेह पर पेरिस अभियोजक के कार्यालय द्वारा शुरू की गई जांच के हिस्से के रूप में की जा रही थी। अब बताया जा रहा है कि विमान को जाने की अतुमति दे दी, लेकिन इसके गंतव्य के बारे में जानकारी नहीं है। विमान भारत ले जाया सकता है, जहां के ज्यादातर यात्री हैं, या निकारागुआ जा सकता, जो उसका मूल गंतव्य था या दुबई जहां से विमान ने उड़ान भरी थी। फ्रांसीसी मीडिया के मुताबिक कुछ यात्री हिंदी और कुछ तमिल में बात कर रहे हैं और ऐसा माना जाता है कि उन्होंने अपने परिवारों से टेलीफोन के माध्यम से संपर्क भी किया है। जानकारी के अनुसार दस यात्रियों ने शरण देने का अनुरोध किया है। फ्रांसीसी अभियोजकों के मुताबिक, विमान में सवार 11 ऐसे नाबालिग शुक्रवार से ही हिरासत में हैं, जो कि बिना अभिभावक के सफर कर रहे हैं। इसके अलावा दो वयस्क यात्री भी शुक्रवार से ही हिरासत में हैं। सभी की हिरासत शनिवार शाम को अगले 48 घंटे तक बढ़ा दी गई। विमान का स्वामित्व रोमानियाई चार्टर कंपनी लीजेंड एयरलाइंस के पास है। कंपनी की अधिवक्ता लिलियाना बाकायोको ने मानव तस्करी में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। लिलियाना ने बताया कि एक साझीदार कंपनी ने विमान को किराए पर लिया था और वही प्रत्येक यात्री के पहचान दस्तावेज को सत्यापित करने के लिए जिम्मेदार थी। वह उड़ान से 48 घंटे पहले यात्रियों की पासपोर्ट जानकारी विमानन कंपनी को देती है।

फ्रांस में मानव तस्करी के लिए 20 साल तक की सजा का प्रावधान है। फ्रांस में भारत के दूतावास ने शनिवार को कहा कि संदिग्ध मानव तस्करी के आरोप में फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा यात्रियों को हिरासत में लिए जाने के बाद भारतीय नागरिकों की मदद करने के लिए उसके कर्मचारी पेरिस के पास हवाई अड्डे पर मौजूद हैं। दूतावास ने शनिवार शाम को ही सोशल मीडिया पर एक अद्यतन संदेश में स्थिति के शीघ्र समाधान की कोशिश में लंबे क्रिसमस अवकाश सप्ताहांत पर काम करने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों को धन्यवाद भी दिया है। विमान को ईंधन भरना था और इसमें 303 भारतीय नागरिक सवार थे जो संभवत-संयुक्त अरब अमीरात में काम करते थे।

सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने नहीं दिए 357 सवालों के जवाब

-सवालों को संसद की प्रश्न सूची से हटाने का संसदीय इतिहास में पहला मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार ने 357 सवालों के जवाब ही नहीं दिए। संसदीय इतिहास में यह पहला मामला बताया जा रहा है। हालांकि लोकसभा के 163 और राज्यसभा के 194 सवालों को संसद की प्रश्न सूची से हटाया गया है। दरअसल, ये सभी सवाल इस सत्र के दौरान सदन से निलंबित किए गए 146 सांसदों की ओर से पूछे गए थे। सामान्यतः प्रश्न सूची से सवाल प्रश्नकर्ता के अनुरोध पर ही वापस लिए जाते हैं। प्रश्नकाल में सवाल पूछने के लिए 10 दिन पहले लिखित नोटिस देना होता है। लोकसभा की हर बैठक में चयनित प्रश्नों को 20 तारांकित और 230 अतारांकित सवालों के रूप में शामिल किया जाता है। राज्यसभा में हर बैठक में 15 तारांकित, 160 अतारांकित प्रश्न शामिल होते हैं जिनका लिखित जवाब दिया जाता है। तारांकित सवालों के जवाब मौखिक रूप से भी दिए जाते हैं, प्रश्नकर्ता अनुपूरक प्रश्न पूछ सकता है। राज्यसभा में 46 सांसद निलंबित हुए लेकिन 19 से 21 नवंबर के दौरान क्रमशः 43, 45 व 44 सवाल डिलीट किए गए जबकि लोकसभा में आखिरी के तीन दिन 27, 53 वं 52 सवाल प्रश्न सूची से हटा दिए गए।

बता दें कि राज्यसभा में पूरे सत्र के दौरान 210 तारांकित सवालों में से 12 और 2240 अतारांकित सवालों में से 182 सवाल हटाए गए जबकि लोकसभा में 280 तारांकित सवालों में से 12 और 3220 अतारांकित सवालों में से 151 सवाल डिलीट किए गए। शीतकालीन सत्र के दौरान पेश सभी बिल पारित हो गए। साथ ही पिछले सत्र के सात बिल भी पास हो गए। एक भी बिल संसदीय समिति के पास विचार के लिए नहीं भेजा गया। 15वीं लोकसभा के दौरान 71 फीसदी बिल समितियों के पास भेजे जाते थे जबकि 17वीं लोकसभा के दौरान यह घटकर 16 फीसदी रह गया। संसदीय प्रणाली के विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी का कहना है कि प्रश्नों को हटाने का कोई नियम नहीं है, यह लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति के विवेकाधिकार पर तय होता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग के दौरान ब्लास्ट से छत उड़ी,४ लोग झुलसे,१ की हालत गंभीर

गैस सिलेंडर फटने से हुआ धमाका, ४ लोग ५० फीसदी से ज्यादा जल गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में अवैध गैस रीफिलिंग का धंधा फलता-फूलता नजर आ रहा है। कतारगाम जीआईडीसी में एलपीजी गैस की बोतलों की अवैध रीफिलिंग के दौरान धमाका हो गया है। गैस सिलेंडर फट गया और आग लग गई। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिसमें ४ लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि, इन चारों में से एक की हालत बेहद गंभीर पाई गई है।

सूरत के अमरोली इलाके में रहने वाले मुन्ना विनोद पटेल की गैस रिफिलिंग की दुकान कतारगाम इलाके में नए जीआईडीसी खाता संख्या ६७६ के पास स्थित है। आज सुबह मुन्ना और उसके साले का बेटा ओम प्रकाश सुधीर पटेल दुकान में गैस रिफलिंग कर रहे थे। कतारगाम जीआईडीसी क्षेत्र के निवासी २३ वर्षीय छोटू दामोदर महंतो और कतारगाम जीआईडीसी के ही निवासी वीरू बरणसिंह जाटव गैस की बोतलें भरने आए थे।

गैस की बोतलों में रिफिलिंग के बाद परीक्षण जारी रहा। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया और आग लग गयी। आग की चपेट में आने से चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद स्थानीय इलाके में भीड़ उमड़ पड़ी। अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत आपातकालीन नंबर १०८ को सूचित किया और चारों को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया। जहां पता चला कि इन चारों की हालत गंभीर है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। घटना की सूचना पर कतारगाम फायर स्टेशन की टीम भी पहुंची। वहीं फायर ऑफिसर रमेश सैलोर ने कहा, कतारगाम जीआईडीसी में आग लगने की सूचना मिलने पर हमारी टीम तुरंत यहां पहुंची। जांच में पता चला कि रेजिडेंसी क्षेत्र में एलपीजी सिलेंडरों में गैस रिफिलिंग की जा रही थी। इसी दौरान धमाका हुआ और आग लग गई। इस घटना में चार लोग घायल हो गए हैं और स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है। गैस सिलेंडर ब्लास्ट के कारण घर की छत भी उड़ गयी।

कतारगाम में हुई इस गैस रीफिलिंग घटना में चार झुलसे पीड़ितों को इलाज के लिए स्मीमेर ले जाया गया। डॉक्टर से मिली जानकारी के मुताबिक ये चारों ५० फीसदी से ज्यादा जल चुके हैं। ओम प्रकाश पटेल की हालत भी काफी गंभीर है, इसलिए फिलहाल उन्हें इलाज के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया है।

बेलगाम डंपर की वजह से हुआ हादसा, पैदल यात्री की मौत

डिंडोली में डंपर चालक ने रिक्शा और पैदल यात्री को चपेट में लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हर रोज छोटे मोटे सडक हादसे होते हैं । ऐसा ही एक और हादसा सूरत के डिंडोली इलाके में हुआ। डंपर चालक द्वारा मासूम राहगीर और रिक्शा को टक्कर मारने पर राहगीर की मौत हो गई और रिक्शा चालक गांभीर रूप से घायल हुआ है।

डिंडोली इलाके में एक डंपर ड्राइवर ने दो लोगों को कुचल दिया।ऑटो रिक्शा चालक समेत एक अधेड़ पैदल यात्री चपेट में आ गया। पूरे हादसे में पटेल अंबालाल नाम के अधेड़ उम्र के शख्स की दर्दनाक मौत हो गई। रिक्शा चालक को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जहां रिक्शा चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग गया। फिलहाल पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई है और जांच कर रही है।

पूरे हादसे पर लोगों में आक्रोश देखा गया। लोगों ने कहा कि लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं होती मानो पुलिस प्रशासन कुंभकर्णी नींद में है। इतने बड़े वाहनों पर प्रतिबंध के बावजूद आए दिन दुर्घटना के बाद भी वाहन सड़कों पर बेरोकटोक दौड़ते देखे जा सकते हैं।

ड्राइवर की ब्रेक फेल होने की कहानी झूठी, ड्राइवर एक दिन की रिमांड पर

बीआरटीएस हादसा में एफएसएल की प्रारंभिक जांच में बस के ब्रेक ठीक पाए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके में प्रमुखस्वामी ब्रिज से उतरते वक्त हुए हादसे में बीआरटीएस बस ड्राइवर को कोर्ट ने एक दिन की रिमांड दी है। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। इसके बाद मानव वध का अपराध दर्ज कर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के वक्त ड्राइवर ने शिकायत की कि बस का ब्रेक फेल हो गया है। हालांकि, एफएसएल की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बस के ब्रेक ठीक हैं।

कतारगाम जीआईडीसी के पास शनिवार शाम को एक बीआरटीएस बस चालक ने लापरवाही और लापरवाही से बस चलाकर ४ बाइक और १ टेम्पो को टक्कर मार दी और आगे चल रही दूसरी बस से टकरा गई। जिसमें ९ लोगों को गंभीर चोटें आईं। इलाज के दौरान भीखाभाई सोनवणे की मौत हो गई, साथ ही ८ अन्य लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां ३ लोगों की तबीयत गंभीर पाई गई।

हादसे के बाद बीआरटीएस बस के ड्राइवर को मामूली चोटें आईं। इसलिए स्मीमेर अस्पताल में उनका इलाज किया गया और बीआरटीएस बस चालक मनहर भुलजीभाई गमीत के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा ३०४, २७९, ३३७, ३३८, एमवी एक्ट १७७ और १८४ के तहत गिरफ्तार किया गया।

कतारगाम पुलिस ने मनहर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। बस की स्पीड, सीसीटीवी कैमरे की एफएसएल जांच की जा सके, किसी और रूट पर दुर्घटना की है या नही, ओवरटेक करते समय हादसा हुआ या नहीं और किस रूट से बस आ रही थी। इन सभी मामलों की जांच के लिए पुलिस ने आरोपी के ४ दिन की रिमांड मांगी गई थी. लेकिन कोर्ट ने १ दिन की रिमांड दी।

चौटा बाजार में सिरफिरे तत्वों के दबाव में फंसी एंबुलेंस,निकालने में ड्राइवर के छूटे पसीने

मुख्य रास्ते पर असामाजिक तत्वों का दबाव, वाहनों की आवाजाही मुश्किल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दबाव के लिए कुख्यात चौटा बाजार क्षेत्र में दबाव कम करने के लिए सूरत नगर निगम की शुतुरमुर्ग नीति ऐसी स्थिति पैदा कर रही है कि किसी को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। आज एक बार फिर चौटा बाजार में सिरफिरे तत्वों के दबाव में एंबुलेंस फंसने से ड्राइवर के पसीने छूट गये। शहर के कुछ मार्गों पर सख्ती से दबाव हटाने वाला नगर निगम चौटाबाजार का दबाव हटाने में लाचार है, जिससे स्थानीय लोगों की हालत खराब होती जा रही है। ऐसी स्थिति के बावजूद नगरपालिका तंत्र चौटा बाजार से कामचलाऊ दबाव हटाने का साहस नहीं कर पा रहा है।

मनपा के सेन्ट्रल जोन क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के दबाव के कारण हालात दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं। चौटा बाजार इलाके में भारी दबाव के कारण स्थानीय लोगों को अपने वाहन घर ले जाने में काफी दिक्कत हो रही है। लोगों की कई शिकायतों के बाद भी नगर निगम व्यवस्था बाजार का दबाव दूर करने में पूरी तरह विफल रही है। जिससे दबाव दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। चौटा बाजार में दबाव के कारण स्थानीय वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है, लेकिन आज एक एंबुलेंस इन सिरफिरे तत्वों के दबाव के बीच फंस गयी। चौटा बाजार इलाके से एक एंबुलेंस मरीज को लेकर गई लेकिन दबाव के कारण एंबुलेंस आगे नहीं बढ़ सकी। एंबुलेंस चालक द्वारा लगातार सायरन बजाया गया लेकिन दबाव करनेवाले टस से मस नहीं हुए। हालांकि, कुछ लोगों के हस्तक्षेप करने पर एंबुलेंस बमुश्किल बाहर निकल पाई।

नगर निगम पुलिस की ऐसी ही बड़ी लापरवाही के कारण एक बार फिर मरीजों को ले जा रही एंबुलेंस चौटाबाजार के अवैध दबाव के जाल में फंस गयी। यदि नगर निगम व्यवस्था इसी तरह से दबंगों की भेंट चढ़ती रही तो चौटाबाजार में अवैध दबाव के जंगल में किसी की जान जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

डेल्हीवेरी ने भारत का सबसे बड़ा ट्रकिंग टर्मिनल भिवंडी मेगा गेटवे लॉन्च किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी। भारत के सबसे बड़े एकीकृत लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, डेल्हीवेरी लिमिटेड ने भिवंडी में अपने सबसे बड़े मेगा-गेटवे का सफलतापूर्वक संचालन किया है। १,२००,००० वर्ग फुट का निर्मित भिवंडी ट्रकिंग टर्मिनल भारत की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स सुविधाओं में से एक है और यह डेल्हीवेरी के पार्सल और पार्ट-ट्रक लोड वॉल्यूम को एक साथ संभालने की क्षमता के साथ स्वचालित हब, सॉर्टेशन, रिटर्न और ट्रांजिट-संबंधी संचालन को जोड़ता है।

स्वचालित गेटवे में १९६ डॉकिंग स्टेशन हैं और इसे ८,००० टन से अधिक कार्गो को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है, प्रति दिन १६०० वाहनों की क्षमता, हर ५४ सेकंड में एक वाहन की क्षमता। फाल्कन ऑटोटेक (एक डेल्हीवेरी निवेश कंपनी) द्वारा विकसित और स्थापित सुविधा की अत्याधुनिक प्रणाली में १.८ किमी के एकीकृत डबल-डेक क्रॉस-बेल्ट सॉर्टर्स शामिल हैं, जो ५ किमी से अधिक सामग्री हैंडलिंग संचालन और ३२,००० से अधिक हैंडलिंग से जुड़ते हैं। शिपमेंट और १७,००० माल ढुलाई इकाइयाँ प्रति घंटे के आधार पर संचालन के लिए तैयार।

डेल्हीवरी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, साहिल बख्शा ने कहा, ''हमारी विस्तारित भिवंडी गेटवे सुविधा हमें विश्व स्तरीय सेवा विश्वसनीयता और क्षमता बनाए रखते हुए मुंबई और पश्चिमी क्षेत्र में बड़े और एसएमई मालवाहक जहाजों के लिए दक्षता बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। इसमें हमारा महत्वपूर्ण निवेश है। सुविधा की अत्याधुनिक स्वचालन प्रणाली हमें दक्षता और गति में सुधार करने में सक्षम बनाएगी, जो इस नेटवर्क और इसके व्यापक उपयोग के लिए नए मानक स्थापित करेगी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 'विजडम ऑफ बिजनेस' विषय पर सेमिनार आयोजित

महिला उद्यमी सेल और एसआरके नॉलेज फाउंडेशन की संयुक्तपहल पर सेमिनार का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला उद्यमी सेल और एसआरके नॉलेज फाउंडेशन की संयुक्त पहल पर एसआरके इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी, सूरत में 'विजडम ऑफ बिजनेस' = नेटवर्किंग और विकास की शक्ति का अनुभव' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें एसआरकेकेएफ के मुख्य परिचालन अधिकारी तेजल पारेख ने उद्यमियों को सफल व्यवसाय के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी।

एसआरकेकेएफ के मुख्य परिचालन अधिकारी तेजल पारेख ने 'विजडम ऑफ बिजनेस' पर एक प्रस्तुति दी। उन्होने व्यवसाय कैसे बढ़ाते हैं? और एक सफल बिजनेस के लिए मैनेजमेंट किस तरह का होना चाहिए?, लीडरशिप कैसे करें? साथ ही टीम वर्क में कैसे काम करें? इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर एसआरके नॉलेज फाउंडेशन के अध्यक्ष कमलेश याग्निक ने संबोधन दिया। चैंबर ऑफ कॉमर्स के ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. बंदना भट्टाचार्य ने वक्ता का परिचय दिया। चैंबर की महिला उद्यमी सेल की अध्यक्ष कृतिका शाह ने स्वागत भाषण दिया। महिला उद्यमी सेल की सलाहकार स्वाति शेठवाला ने सेमिनार का संचालन किया और सलाहकार ज्योत्सना गुजराती ने सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। सेमिनार में चैंबर की महिला विंग की अध्यक्ष मनीषा बोडावाला और अन्य महिला उद्यमी मौजूद रहीं। वक्ता ने महिला उद्यमियों के विभिन्न प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया और फिर सेमिनार संपन्न हुआ।